JUDICIARY

UTTAR PRADESH ASSISTANT PROSECUTION OFFICER (UP APO) OPEN MOCK TEST - 2026

DVF/JYE/UPAPO26/01 | **Test – 01** | **P/01**

Q. No.	Ans.	Q. No.	Ans.	Q. No.	Ans.	Q. No.	Ans.	Q. No.	Ans.	Q. No.	Ans.
1.	(d)	26.	(c)	51.	(d)	76.	(c)	101.	(b)	126.	(b)
2.	(c)	27.	(a)	52.	(a)	77.	(D)	102.	(d)	127.	(b)
3.	(d)	28.	(c)	53.	(a)	78.	(B)	103.	(b)	128.	(c)
4.	(a)	29.	(b)	54.	(c)	79.	(d)	104.	(b)	129.	(a)
5.	(d)	30.	(a)	55.	(b)	80.	(c)	105.	(b)	130.	(b)
6.	(a)	31.	(a)	56.	(d)	81.	(C)	106.	(a)	131.	(c)
7.	(b)	32.	(a)	57.	(b)	82.	[D]	107.	(d)	132.	(c)
8.	(a)	33.	(a)	58.	(a)	83.	[C]	108.	(b)	133.	(c)
9.	(a)	34.	(c)	59.	(c)	84.	(A)	109.	(b)	134.	(d)
10.	(b)	35.	(b)	60.	(c)	85.	(B)	110.	(c)	135.	(b)
11.	(c)	36.	(b)	61.	(b)	86.	(d)	111.	(c)	136.	(a)
12.	(c)	37.	(a)	62.	(a)	87.	(b)	112.	(c)	137.	(c)
13.	(b)	38.	(b)	63.	(b)	88.	(a)	113.	(d)	138.	(c)
14.	(c)	39.	(d)	64.	(a)	89.	(a)	114.	(b)	139.	(d)
15.	(c)	40.	(a)	65.	(a)	90.	(c)	115.	(d)	140.	(b)
16.	(a)	41.	(a)	66.	(a)	91.	(d)	116.	(d)	141.	(b)
17.	(d)	42.	(b)	67.	(c)	92.	(a)	117.	(b)	142.	(a)
18.	(c)	43.	(c)	68.	(b)	93.	(a)	118.	(b)	143.	(a)
19.	(d)	44.	(a)	69.	(b)	94.	(d)	119.	(c)	144.	(a)
20.	(a)	45.	(a)	70.	(d)	95.	(a)	120.	(b)	145.	(a)
21.	(c)	46.	(b)	71.	(C)	96.	(c)	121.	(d)	146.	(d)
22.	(c)	47.	(a)	72.	(C)	97.	(d)	122.	(a)	147.	(d)
23.	(a)	48.	(a)	73.	(b)	98.	(a)	123.	(b)	148.	(c)
24.	(d)	49.	(c)	74.	(b)	99.	(d)	124.	(b)	149.	(a)
25.	(c)	50.	(c)	75.	(b)	100.	(d)	125.	(d)	150.	(b)

1. (d)

In the case of **DPP v. Beard, 1920,** Lord Birkenhead LC held that voluntary intoxication does not excuse criminal misconduct.

Hence, Option (d) is the correct answer.

2. (c)

Explanation:

The landmark judgment of **State of Tamil Nadu v. Nalini, 1999** is related to the assassination of former Prime Minister Rajiv Gandhi.

This case dealt with the conviction and sentencing of individuals involved in the conspiracy to assassinate Rajiv Gandhi in 1991. The Supreme Court examined issues of conspiracy, terrorism, and the application of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act (TADA). The court analysed that it is not necessary that all conspirators should agree to the common purpose at the same time. They may join with other conspirators at any time before the consummation of the intended objective, and all are equally responsible. What part each conspirator is to play may not be known to everyone or the fact as to when a conspirator joined the conspiracy and when he left.

Hence, Option (c) is the correct answer.

3. (d)

Explanation:

Section 16: Act done pursuant to judgment or order of Court

Nothing which is done in pursuance of, or which is warranted by the judgment or order of, a Court; if done whilst such judgment or order remains in force, is an offence, notwithstanding the Court may have had no jurisdiction to pass such judgment or order, provided the person doing the act in good faith believes that the Court had such jurisdiction.

Hence, Option (d) is the correct answer.

4. (a)

Explanation:

Section 36: Right of private defence against act of a person of unsound mind, etc

Illustration

(b) A enters by night a house which he is legally entitled to enter. Z, in good faith, taking A for a house-breaker, attacks A. Here Z, by attacking A under this misconception, commits no offence. But A has the same right of private defence against Z, which he would have if Z were not acting under that misconception.

Hence, Option (a) is the correct answer

1. (d)

डीपीपी बनाम बियर्ड,1920 के मामले में, लॉर्ड बर्केनहेड एलसी ने यह धारित किया कि स्वैच्छिक मत्तता आपराधिक दुराचार में बचाव नहीं है।

2. (c)

व्याख्या:

तमिलनाडु राज्य बनाम नलिनी, 1999 का ऐतिहासिक निर्णय पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या से संबंधित है।

यह मामला 1991 में राजीव गांधी की हत्या की षड्यंत्र में शामिल व्यक्तियों की दोषसिद्धि और दण्ड से संबंधित था। उच्चतम न्यायालय ने षड्यंत्र, आतंकवाद और आतंकवादी एवं विघटनकारी गतिविधियां

(रोकथाम) अधिनियम (TADA) के अनुप्रयोग से जुड़े मुद्दों की जांच की। न्यायालय ने विश्लेषण किया कि यह आवश्यक नहीं है कि सभी षड्यंत्रकर्ता एक ही समय में सामान्य उद्देश्य पर सहमत हों। वे इच्छित उद्देश्य की पूर्ति से पहले किसी भी समय अन्य षड्यंत्रकर्ताओं के साथ जुड़ सकते हैं, और सभी समान

रूप से उत्तरदायी हैं। प्रत्येक षड्यंत्रकर्ता की क्या भूमिका होगी, यह सभी को ज्ञात नहीं हो सकता है, न ही यह तथ्य ज्ञात हो सकता है कि कोई षड्यंत्रकर्ता कब षड्यंत्र में शामिल हुआ और कब उसने षड्यंत्र छोड़ी।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

3. (d)

व्याख्या:

धारा 16: न्यायालय के निर्णय या आदेश के अनुसरण में किया गया कार्य।

कोई बात, जो किसी न्यायालय के निर्णय या आदेश के अनुसरण में की जाए या उसके द्वारा समर्थित हो, यदि वह उस निर्णय या आदेश के प्रवृत्त रहते की जाए, अपराध नहीं है, चाहे उस न्यायालय को ऐसा निर्णय या आदेश देने की अधिकारिता न रही हो, परन्तु यह तब जब कि वह कार्य करने वाला व्यक्ति सद्भावपूर्वक विश्वास करता हो कि उस न्यायालय को वैसी अधिकारिता थी।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

4. (a)

व्याख्या:

धारा 36: ऐसे व्यक्ति के कार्य के विरुद्ध प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार जो विकृतचित, आदि हो।

दृष्टांत

(ख) 'क' रात्रि में एक ऐसे घर में प्रवेश करता है, जिसमें प्रवेश करने के लिये वह वैध रूप से हकदार है।

'य', सद्भावपूर्वक 'क' को गृहभेदक समझकर, 'क' पर आक्रमण करता है। यहां 'य' इस भ्रम के अधीन 'क' पर आक्रमण करके कोई अपराध नहीं करता है। किंतु 'क', 'य' के विरुद्ध प्राइवेट प्रतिरक्षा का वही अधिकार रखता है, जो वह तब रखता, जब 'य' उस भ्रम के अधीन कार्य न करता।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

5. (d)

Explanation:

Section 45: Abetment of a thing

A person abets the doing of a thing, who—

(a) instigates any person to do that thing; or

(b) engages with one or more other person or persons in any conspiracy for the doing of that thing, if an act or illegal omission takes place in pursuance of that conspiracy, and in order to the doing of that thing; or

(c) intentionally aids, by any act or illegal omission, the doing of that thing.

Explanation 1.— A person who, by wilful misrepresentation, or by wilful concealment of a material fact which he is bound to disclose, voluntarily causes or procures, or attempts to cause or procure, a thing to be done, is said to instigate the doing of that thing.

Hence, Option (d) is the correct answer

6. (a)

Explanation:

Section 53: Liability of abettor for an effect caused by act abetted different from that intended by abettor

Illustration:

A instigates B to cause grievous hurt to Z. B, in consequence of the instigation, causes grievous hurt to Z. Z dies in consequence. Here, if A knew that the grievous hurt abetted was likely to cause death, A is liable to be punished with the punishment provided for murder.

Hence, Option (a) is the correct answer

7. (b)

Explanation:

Section 65: Punishment for rape in certain cases

(2) Whoever, commits rape on a woman under twelve years of age shall be punished with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than twenty years, but which may extend to imprisonment for life, which shall mean imprisonment for the remainder of that person's natural life, and with fine or with death:

Hence, Option (b) is the correct answer

8. (a)

Section 77: Voyeurism

Whoever watches, or captures the image of a woman engaging in a private act in circumstances where she would usually have the expectation of not being observed either by the perpetrator or by any other person at the behest of the perpetrator or disseminates such image shall be punished on first conviction with imprisonment of either description for a term which shall not be less than one year, but which may extend to three years, and

5. (d)

व्याख्या:

धारा 45: किसी बात का दुष्प्रेरण

वह व्यक्ति, किसी बात को किये जाने का दुष्प्रेरण करता है, जो-

(क) उस बात को करने के लिये किसी व्यक्ति को उकसाता है; या

(ख) उस बात को करने के लिये किसी षड्यंत्र में एक या अधिक अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ सम्मिलित होता है, यदि उस षड्यंत्र के अनुसरण में, और उस बात को करने के उद्देश्य से, कोई कार्य या अवैध लोप घटित हो जाए; या

(ग) उस बात को किये जाने में किसी कार्य या अवैध लोप द्वारा जानबूझकर सहायता करता है।

स्पष्टीकरण 1- कोई व्यक्ति, जो जानबूझकर मिथ्या निरूपण द्वारा, या किसी तात्त्विक तथ्य, जिसे प्रकट करने के लिये वह आबद्ध है, जानबूझकर छिपाने द्वारा, स्वेच्छया किसी बात का किया जाना कारित या उपाप्त करता है, या कारित या उपाप्त करने का प्रयत्न करता है, यह कहा जाता है कि वह उस कृत्य का किया जाना उकसाता है।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

6. (a)

व्याख्या:

धारा 53: दुष्प्रेरित कार्य से कारित उस प्रभाव के लिये दुष्प्रेरक का दायित्व जो दुष्प्रेरक द्वारा आशयित से भिन्न हो।

दृष्टांत:

'य' को घोर उपहति करने के लिये 'ख' को 'क' उकसाता है। 'ख' उस उकसाहट के परिणामस्वरूप 'य' को घोर उपहति कारित करता है। परिणामतः 'य' की मृत्यु हो जाती है। यहां, यदि 'क' यह जानता था कि दुष्प्रेरित घोर उपहति से मृत्यु कारित होना सम्भाव्य है, तो 'क' हत्या के लिये उपबन्धित दण्ड से दण्डनीय है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

7. (b)

व्याख्या:

धारा 65: कुछ मामलों में बलात्संग के लिये दण्ड

(2) जो कोई, बारह वर्ष से कम आयु की किसी महिला से बलात्संग करता है, तो वह कठिन कारावास, जिसकी अवधि बीस वर्ष से कम की नहीं होगी, किंतु जो आजीवन कारावास, जिससे उस व्यक्ति के शेष प्राकृत जीवनकाल का कारावास अभिप्रेत है, तक की हो सकेगी और जुर्माने से, या मृत्युदण्ड से, दण्डित किया जाएगा।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

8. (a)

धारा 77: दृश्यरतिकता

जो कोई, किसी निजी कार्य में लगी हुई किसी महिला को, उन परिस्थितियों में, जिनमें वह प्रायः यह प्रत्याशा करती है कि उसे देखा नहीं जा रहा है, एकटक देखता है या उस कृत्य में लिप्त व्यक्ति या उस कृत्य में लिप्त व्यक्ति के कहने पर कोई अन्य व्यक्ति उसका चित्र खींचता है या उस चित्र

shall also be liable to fine, and be punished on a second or subsequent conviction, with imprisonment of either description for a term which shall not be less than three years, but which may extend to seven years, and shall also be liable to fine.

Hence, Option (a) is the correct answer

9. (a)

Explanation:

The given situation is based on Section 3(9) Illustration of the BNS, 2023.

Section 3(9): General Explanations

Where several persons are engaged or concerned in the commission of a criminal act, they may be guilty of different offences by means of that act.

Illustration: 'A' attacks 'Z' under such circumstances of grave provocation that his killing of 'Z' would be only culpable homicide not amounting to murder. 'B', having ill-will towards 'Z' and intending to kill him, and not having been subject to the provocation, assists 'A' in killing 'Z'. Here, though 'A' and 'B' are both engaged in causing Z's death, 'B' is guilty of murder, and 'A' is guilty only of culpable homicide.

Hence, Option (a) is the correct answer.

10. (b)

Explanation:

Section 2 (11): Good faith

Nothing is said to be done or believed in "good faith" which is done or believed without due care and attention;

Hence, Option (b) is the correct answer.

11. (c)

Explanation:

The given situation is based on Section 2 (33)'s illustration.

'A' sets fire, by night, to an inhabited house in a large town, for the purpose of facilitating a robbery and thus causes the death of a person. Here, 'A' may not have intended to cause death; and may even be sorry that death has been caused by his act; yet, if he knew that he was likely to cause death, he has caused death voluntarily.

Hence, Option (c) is the correct answer.

12. (c)

Explanation:

The 'Right and Wrong Test' was introduced in the landmark McNaughten Rules case of 1843. In this case, the Court established a legal test for criminal responsibility based on the defendant's mental capacity to distinguish between right and wrong at the time of the crime. The fundamental principle was that a defendant would not

को प्रसारित करता है, तो प्रथम दोषसिद्धि पर, वह दोनों में से किसी भांति के कारावास से, जिसकी अवधि एक वर्ष से कम की नहीं होगी, किंतु जो तीन वर्ष तक की हो सकेगी, दण्डित किया जाएगा और जुर्माने का भी दायी होगा और द्वितीय या पश्चात्वर्ती किसी दोषसिद्धि पर, दोनों में से किसी भांति के कारावास से, जिसकी अवधि तीन वर्ष से कम की नहीं होगी, किंतु जो सात वर्ष तक की हो सकेगी, दण्डित किया जाएगा और जुर्माने का भी दायी होगा।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

9. (a)

व्याख्या:

दी गई स्थिति भा.न्या.सं., 2023 के धारा 3(9) दृष्टांत पर आधारित है।

धारा 3(9): साधारण स्पष्टीकरण

जहां कई व्यक्ति किसी आपराधिक कार्य को करने में लगे हुए हैं या सम्बद्ध हैं, वहां वे उस कार्य के आधार पर विभिन्न अपराधों के दोषी हो सकेंगे ।

दृष्टांत

'क' गम्भीर प्रकोपन की ऐसी परिस्थितियों के अधीन 'य' पर आक्रमण करता है कि 'य' का उसके द्वारा वध किया जाना केवल ऐसा आपराधिक मानव वध है, जो हत्या की कोटि में नहीं आता है। 'ख' जो 'य' से वैमनस्य रखता है, उसका वध करने के आशय से और प्रकोपन के अधीन न होते हुए 'य' का वध करने में 'क' की सहायता करता है। यहां, यद्यपि 'क' और 'ख' दोनों 'य' की मृत्यु कारित करने में लगे हुए हैं, 'ख' हत्या का दोषी है और 'क' केवल आपराधिक मानव वध का दोषी है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

10. (b)

व्याख्या:

धारा 2 (11): सद्भावपूर्वक

(11)"सद्भावपूर्वक" कोई बात "सद्भावपूर्वक" की गई या विश्वास की गई नहीं कही जाती है, जो सम्यक् सतर्कता और ध्यान के बिना की गई है या विश्वास की गई है;

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

11. (c)

व्याख्या:

दी गई स्थिति धारा 2 (33) के दृष्टांत पर आधारित है।

'क' लूट को सुकर बनाने के प्रयोजन से एक बड़े नगर के एक बसे हुए घर में रात को आग लगाता है और इस प्रकार एक व्यक्ति की मृत्यु कारित कर देता है। यहां 'क' का आशय भले ही मृत्यु कारित करने का न रहा हो और वह दुखित भी हो कि उसके कार्य से मृत्यु कारित हुई है तो भी यदि वह यह जानता था कि संभाव्य है कि वह मृत्यु कारित कर दे तो उसने स्वेच्छया मृत्यु कारित की है।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

12. (c)

be held criminally responsible if, due to a mental disorder, they did not understand the nature of their actions or could not recognise that their actions were wrong.

This 'Right and Wrong Test' became a fundamental standard for determining criminal responsibility in cases involving mental illness.

Hence, Option (c) is the correct answer.

13. (b)

Section 5: Commutation of sentence

The appropriate Government may, without the consent of the offender, commute any punishment under this Sanhita to any other punishment in accordance with section 474 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023.

Explanation.— For the purposes of this section the expression "appropriate Government" means, —

(a) in cases where the sentence is a sentence of death or is for an offence against any law relating to a matter to which the executive power of the Union extends, the Central Government; and

(b) in cases where the sentence (whether of death or not) is for an offence against any law relating to a matter to which the executive power of the State extends, the Government of the State within which the offender is sentenced.

Hence, Option (b) is the correct answer.

14. (c)

Explanation:

Section 45: Abetment of a thing

A person abets the doing of a thing, who—

(a) instigates any person to do that thing; or

(b) engages with one or more other person or persons in any conspiracy for the doing of that thing, if an act or illegal omission takes place in pursuance of that conspiracy, and in order to the doing of that thing; or

(c) intentionally aids, by any act or illegal omission, the doing of that thing.

Explanation 1.— A person who, by wilful misrepresentation, or by wilful concealment of a material fact which he is bound to disclose, voluntarily causes or procures, or attempts to cause or procure, a thing to be done, is said to instigate the doing of that thing.

Hence, Option (c) is the correct answer

15. (c)

Explanation:

Section 61: Criminal conspiracy.

(1) When two or more persons agree with the common object to do, or cause to be done—

व्याख्या:

'सही और गलत की कसौटी' का सिद्धांत 1843 के ऐतिहासिक मैकनॉटन रूल्स मामले में पेश किया गया था। इस मामले में, न्यायालय ने अपराध के समय सही और गलत के बीच अंतर करने की प्रतिवादी की मानसिक क्षमता के आधार पर आपराधिक दायित्व के लिये एक विधिक कसौटी स्थापित की। मूल सिद्धांत यह था कि यदि कोई प्रतिवादी किसी मानसिक विकार के कारण अपने कार्यों की प्रकृति को नहीं समझता है या यह नहीं पहचान पाता है कि उसके कार्य दोषपूर्ण हैं, तो उसे आपराधिक रूप से उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा।

यह 'सही और गलत का परीक्षण' मानसिक बीमारी से जुड़े मामलों में आपराधिक दायित्व निर्धारित करने का एक मूलभूत मानक बन गया।

अत:, विकल्प (c) सही उत्तर है।

13. (b)

धारा 5: दण्डादेश का लघुकरण।

समुचित सरकार, अपराधी की सम्मति के बिना, इस संहिता के अधीन किसी दण्ड का, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 474 के अनुसार, किसी अन्य दण्ड में लघुकरण कर सकेगी।

स्पष्टीकरण-इस धारा के प्रयोजनों के लिये, "समुचित सरकार" पद से. -

(क) उन मामलों में केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है, जिनमें दण्डादेश मृत्यु का दण्डादेश है, या ऐसे विषय से संबंधित किसी विधि के विरुद्ध अपराध के लिये है, जिस पर संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार है और

(ख) उन मामलों में उस राज्य की सरकार अभिप्रेत है, जिसके भीतर अपराधी दण्डादिष्ट हुआ है, जहां दण्डादेश (चाहे मृत्यु का हो या नहीं) ऐसे विषय से संबंधित किसी विधि के विरुद्ध अपराध के लिये है, जिस पर राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार है।

अत:, विकल्प (b) सही उत्तर है।

14. (c)

व्याख्या:

धारा 45: किसी बात का दुष्प्रेरण।

वह व्यक्ति, किसी बात को किये जाने का दुष्प्रेरण करता है, जो

(क) उस बात को करने के लिये किसी व्यक्ति को उकसाता है; या

(ख) उस बात को करने के लिये किसी षड्यंत्र में एक या अधिक अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ सम्मिलित होता है, यदि उस षड्यंत्र के अनुसरण में, और उस बात को करने के उद्देश्य से, कोई कार्य या अवैध लोप घटित हो जाए; या

(ग) उस बात को किये जाने में किसी कार्य या अवैध लोप द्वारा साशय सहायता करता है।

स्पष्टीकरण 1 - कोई व्यक्ति, जो जानबूझकर मिथ्या निरूपण द्वारा, या किसी तात्त्विक तथ्य, जिसे प्रकट करने के लिये वह आबद्ध है, जानबूझकर छिपाने द्वारा, स्वेच्छया किसी बात का किया जाना कारित या उपाप्त करता है, या कारित या उपाप्त करने का प्रयत्न करता है, यह कहा जाता है कि वह उस कृत्य का किया जाना उकसाता है।

अत:, विकल्प (c) सही उत्तर है।

15. (c)

व्याख्या:

(a) an illegal act; or

(b) an act which is not illegal by illegal means, such an agreement is designated a criminal conspiracy: Provided that no agreement except an agreement to commit an offence shall amount to a criminal conspiracy unless some act besides the agreement is done by one or more parties to such agreement in pursuance thereof.

Explanation.— It is immaterial whether the illegal act is the ultimate object of such agreement, or is merely incidental to that object.

Hence, Option (c) is the correct answer

16. (a)

Explanation:

Section 74: Assault or use of criminal force to woman with intent to outrage her modesty.

Whoever assaults or uses criminal force to any woman, intending to outrage or knowing it to be likely that he will thereby outrage her modesty, shall be punished with imprisonment of either description for a term which shall not be less than one year but which may extend to five years, and shall also be liable to fine.

Hence, Option (a) is the correct answer

17. (d)

Explanation:

Section 173: Punishment for bribery.

Whoever commits the offence of bribery shall be punished with imprisonment of either description for a term which may extend to one year, or with fine, or with both: Provided that bribery by treating shall be punished with fine only.

Explanation.— "Treating" means that form of bribery where the gratification consists in food, drink, entertainment, or provision.

Hence, option (d) is the correct answer.

18. (c)

Explanation:

Section 194: Affray.

(1) When two or more persons, by fighting in a public place, disturb the public peace, they are said to commit an affray.

Hence, option (c) is the correct answer.

19. (d)

Explanation:

धारा 61: आपराधिक षड्यंत्र।

जब दो या अधिक व्यक्ति-

(क) कोई अवैध कार्य; या

(ख) कोई ऐसा कार्य, जो अवैध नहीं है, अवैध साधनों द्वारा, करने या करवाने के लिये सामान्य उद्देश्य से सहमत होते हैं, तब ऐसी सम्मति आपराधिक षड्यंत्र कहलाती है:

परंतु किसी अपराध को करने की सम्मति के सिवाय कोई सम्मति आपराधिक षड्यंत्र तब तक न होगी, जब तक कि सम्मति के अतिरिक्त कोई कार्य उसके अनुसरण में उस सम्मति के एक या अधिक पक्षकारों द्वारा नहीं कर दिया जाता।

स्पष्टीकरण- यह तत्वहीन है कि अवैध कार्य ऐसी सम्मति का चरम उद्देश्य है या उस उद्देश्य का आनुषंगिक मात्र है।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

16. (a)

व्याख्या:

धारा 74: महिला की लज्जा भंग करने के आशय से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग।

जो कोई, किसी महिला की लज्जा भंग करने के आशय से या यह सम्भाव्य जानते हुए कि उसके द्वारा वह उसकी लज्जा भंग करेगा, उस महिला पर हमला करता है या आपराधिक बल का प्रयोग करता है, तो वह दोनों में से किसी भांति के कारावास से दण्डित किया जाएगा, जिसकी अवधि एक वर्ष से कम की नहीं होगी, किन्तु जो पांच वर्ष तक की हो सकेगी, और जुर्माने का भी दायी होगा।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

17. (d)

व्याख्या:

धारा 173: रिश्वत के लिये दण्ड।

जो कोई, रिश्वत का अपराध करता है, वह दोनों में से किसी भांति के कारावास से, जिसकी अवधि एक वर्ष तक की हो सकेगी, या जुर्माने से, या दोनों से, दण्डित किया जाएगा :

परंतु सत्कार के रूप में रिश्वत को, केवल जुर्माने से ही दण्डित किया जाएगा।

स्पष्टीकरण "सत्कार" से रिश्वत का वह रूप अभिप्रेत है जो परितोषण, खाद्य, पेय, मनोरंजन या रसद के रूप में है।।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

18. (c)

व्याख्या:

धारा 194: दंगा

(1) जब दो या अधिक व्यक्ति, लोकस्थान में लड़कर लोक शान्ति में विघ्न डालते हैं, तब यह कहा जाता है कि वे दंगा करते हैं।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

19. (d)

Section 198: Public servant disobeying law, with intent to cause injury to any person

Illustration:

A, being an officer directed by law to take property in execution, in order to satisfy a decree pronounced in Z's favour by a Court, knowingly disobeys that direction of law, with the knowledge that he is likely thereby to cause injury to Z. A has committed the offence defined in this section.

Hence, option (d) is the correct answer.

20. (a)

Explanation:

Section 147: Waging, or attempting to wage war, or abetting waging of war, against Government of India.

Whoever wages war against the Government of India, or attempts to wage such war, or abets the waging of such war, shall be punished with death, or imprisonment for life and shall also be liable to fine.

Hence, option (a) is the correct answer.

21. (c)

Explanation:

This question is based on Section 303 illustration (a)

Hence, option (c) is the correct answer.

22. (c)

Explanation:

Section 309: Robbery.

(1) In all robbery there is either theft or extortion.

(2) Theft is robbery if, in order to the committing of the theft, or in committing the theft, or in carrying away or attempting to carry away property obtained by the theft, the offender, for that end voluntarily causes or attempts to cause to any person death or hurt or wrongful restraint, or fear of instant death or of instant hurt, or of instant wrongful restraint.

Hence, option (c) is the correct answer.

23. (a)

Explanation:

Section 316: Criminal breach of trust

Illustration:

(c) A, residing in Kolkata, is agent for Z, residing at Delhi. There is an express or implied contract between A and Z, that all sums remitted by Z to A shall be invested by A, according to Z's direction. Z remits one lakh of rupees to A, with directions to A to invest the same in Company's paper. A dishonestly disobeys the

व्याख्या:

धारा 198: लोक सेवक, जो किसी व्यक्ति को क्षति कारित करने के आशय से विधि की अवज्ञा करता है।

दृष्टांत

'क', जो एक अधिकारी है, और न्यायालय द्वारा 'य' के पक्ष में दी गई डिक्री की तुष्टि के लिये निष्पादन में सम्पत्ति लेने के लिये विधि द्वारा निदेशित है, यह ज्ञान रखते हुए कि यह सम्भाव्य है कि उसके द्वारा वह 'य' को क्षति कारित करेगा, जानते हुए विधि के उस निदेश की अवज्ञा करता है। 'क' ने इस धारा में परिभाषित अपराध किया है।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

20. (a)

व्याख्या:

धारा 147: भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करना या युद्ध करने का प्रयत्न करना या युद्ध करने का दुष्प्रेरण करना।

जो कोई, भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करता है, या ऐसा युद्ध करने का प्रयत्न करता है या ऐसा युद्ध करने का दुष्प्रेरण करता है, वह मृत्यु या आजीवन कारावास से दण्डित किया जाएगा और जुर्माने का भी दायी होगा।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

21. (c)

व्याख्या:

यह प्रश्न धारा 303 के दृष्टांत (क) पर आधारित है।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

22. (c)

व्याख्या:

धारा 309: लूट

(1) सब प्रकार की लूट में या तो चोरी या उद्दापन होता है।

(2) चोरी "लूट" है, यदि उस चोरी को करने के लिये, या उस चोरी के करने में या उस चोरी द्वारा अभिप्राप्त सम्पत्ति को ले जाने या ले जाने का प्रयत्न करने में, अपराधी उस उद्देश्य से स्वेच्छया किसी व्यक्ति की मृत्यु, या उपहति या उसका सदोष अवरोध या तत्काल मृत्यु का, या तत्काल उपहति का, या तत्काल सदोष अवरोध का भय कारित करता या कारित करने का प्रयत्न करता है।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

23. (a)

व्याख्या:

धारा 316: आपराधिक न्यास भंग

दृष्टांत:

(ग) 'क', जो कलकत्ता में निवास करता है, 'य' का, जो दिल्ली में निवास करता है अभिकर्ता है। 'क' और 'य' के बीच यह अभिव्यक्त या विवक्षित संविदा है कि 'य' द्वारा 'क' को प्रेषित सब राशियां 'क' द्वारा 'य' के निदेश के अनुसार विनिहित की जाएंगी। 'य', 'क' को

directions and employs the money in his own business. A has committed criminal breach of trust.

Hence, option (a) is the correct answer.

24. (d)

Explanation:

Section 325: Mischief by killing or maiming animal.

Whoever commits mischief by killing, poisoning, maiming or rendering useless any animal shall be punished with imprisonment of either description for a term which may extend to five years, or with fine, or with both

Hence, option (d) is the correct answer.

25. (c)

Explanation:

Section 19: Act likely to cause harm, but done without criminal intent, and to prevent other harm. —

Nothing is an offence merely by reason of its being done with the knowledge that it is likely to cause harm, if it be done without any criminal intention to cause harm, and in good faith for the purpose of preventing or avoiding other harm to person or property.

Explanation.— It is a question of fact in such a case whether the harm to be prevented or avoided was of such a nature and so imminent as to justify or excuse the risk of doing the act with the knowledge that it was likely to cause harm.

Hence, option (c) is the correct answer.

26. (c)

Explanation:

- "In every statute mens rea is to be implied unless the contrary is shown" this view has been expressed in the case of **Sherras v. De Rutzen,1895.**
- **S. Varadarajan v. State of Madras, 1964** relates to Section 363 IPC [Section 137(2) of BNS]
- Section 303 of the IPC (Section 104 of BNS), which mandates the death sentence for a person who commits murder while undergoing imprisonment for life was struck down by the Supreme Court in **Mithu v. State of Punjab,1983** since it violated Article 14 and 21 of the Constitution of India.

Hence, option (c) is the correct answer.

27. (a)

Explanation:

Section 303: Theft

(d) A being Z's servant, and entrusted by Z with the care of Z's plate, dishonestly runs away with the plate, without Z's consent. A has committed theft.

इन निदेशों के साथ एक लाख रुपए भेजता है कि उसको कंपनी पत्रों में विनिहित किया जाए। 'क' उन निदेशों की बेईमानी से अवज्ञा करता है और उस धन को अपने कारबार के उपयोग में ले आता है। 'क' ने आपराधिक न्यासभंग किया है।

24. (d)

व्याख्या:

धारा 325: जीव-जन्तु का वध करने या उसे विकलांग करने द्वारा रिष्टि।

जो कोई, किसी जीव-जन्तु का वध करने, विष देने, विकलांग करने या निरुपयोगी बनाने द्वारा रिष्टि करता है, वह दोनों में से किसी भांति के कारावास से, जिसकी अवधि पांच वर्ष तक की हो सकेगी, या जुर्माने से, या दोनों से, दण्डित किया जाएगा।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

25. (c)

व्याख्या:

धारा 19: कार्य, जिससे अपहानि कारित होना संभाव्य है, किंतु जो आपराधिक आशय के बिना और अन्य अपहानि के निवारण के लिये किया गया है

कोई बात केवल इस कारण अपराध नहीं है कि वह यह जानते हुए की गई है कि उससे अपहानि कारित होना संभाव्य है, यदि वह अपहानि कारित करने के किसी आपराधिक आशय के बिना और शरीर या संपत्ति को अन्य अपहानि का निवारण या परिवर्जन करने के प्रयोजन से सद्भावपूर्वक की गई है।

स्पष्टीकरण- ऐसे मामले में यह तथ्य का प्रश्न है कि जिस अपहानि का निवारण या परिवर्जन किया जाना है, क्या वह ऐसी प्रकृति की थी और इतनी आसन्न थी कि वह कार्य, जिससे यह जानते हुए कि उससे अपहानि कारित होना संभाव्य है, करने की जोखिम उठाना न्यायानुमत या माफी योग्य था।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

26. (c)

व्याख्या:

- **"प्रत्येक विधि में आपराधिक आशय को निहित माना जाता है जब तक कि इसके विपरीत साबित न हो जाए" यह विचार शेर्रास बनाम डी रुत्ज़ेन, 1895** के मामले में व्यक्त किया गया है।
- **एस. वरदराजन बनाम मद्रास राज्य, 1964 का** मामला भा.न्या.सं. की धारा 363 [भा.न्या.सं. की धारा 137(2)] से संबंधित है।
- भा.न्या.सं. की धारा 303 (भा.न्या.सं. की धारा 104), जो आजीवन कारावास के व्यक्ति द्वारा हत्या करने पर मृत्युदण्ड का प्रावधान करती है, को उच्चतम न्यायालय ने **मिथु बनाम पंजाब राज्य, 1983 के मामले** में निरस्त कर दिया था क्योंकि यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन करती थी।

27. (a)

व्याख्या:

धारा 303: चोरी

(घ) 'क', जो 'य' का सेवक है और जिसे 'य' ने अपनी प्लेट की देख-रेख न्यस्त कर दी है, 'य' की सम्मति के बिना प्लेट को लेकर बेईमानी

Hence, option (a) is the correct answer

28. (c)

Explanation:

Section 107: Abetment of suicide of child or person of unsound mind

If any child, any person of unsound mind, any delirious person or any person in a state of intoxication, commits suicide, whoever abets the commission of such suicide, shall be punished with death or imprisonment for life, or imprisonment for a term not exceeding ten years, and shall also be liable to fine.

Hence, option (c) is the correct answer.

29. (b)

Explanation:

Section 11: Solitary confinement.

Whenever any person is convicted of an offence for which under this Sanhita the Court has power to sentence him to rigorous imprisonment, the Court may, by its sentence, order that the offender shall be kept in solitary confinement for any portion or portions of the imprisonment to which he is sentenced, not exceeding three months in the whole, according to the following scale, namely: —

(a) a time not exceeding one month if the term of imprisonment shall not exceed six months;

(b) a time not exceeding two months if the term of imprisonment shall exceed six months and shall not exceed one year;

(c) a time not exceeding three months if the term of imprisonment shall exceed one year.

Note: Section 12 provides "in executing a sentence of solitary confinement, the duration of such confinement shall not exceed fourteen days at a time under any circumstances."

Hence, option (b) is the correct answer.

30. (a)

Explanation:

Section 101: Murder.

Illustration:

(c) 'A' intentionally gives 'Z' a sword-cut or club-wound sufficient to cause the death of a man in the ordinary course of nature. 'Z' dies in consequence. Here 'A' is guilty of murder, although he may not have intended to cause Z's death.

Hence, option (a) is the correct answer.

31. (a)

Explanation:

से भाग गया। 'क' ने चोरी की।

28. (c)

व्याख्या:

धारा 107: शिशु या विकृत चित व्यक्ति की आत्महत्या का दुष्प्रेरण

यदि कोई शिशु, विकृत्त चित्त व्यक्ति, कोई उन्मत्त व्यक्ति या मत्तता की अवस्था में कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है जो कोई, ऐसी आत्महत्या करने के लिये दुष्प्रेरण करता है, तो वह मृत्यु या आजीवन कारावास या ऐसी अवधि के कारावास से, जो दस वर्ष से अधिक की नहीं होगी, दण्डित किया जाएगा और जुर्माने का भी दायी होगा।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

29. (b)

व्याख्या:

धारा 11: एकांत परिरोध

जब कभी कोई व्यक्ति, ऐसे अपराध के लिये दोषसिद्ध ठहराया जाता है जिसके लिये इस संहिता के अधीन न्यायालय को उसे कठिन कारावास से दण्डादिष्ट करने की शक्ति है, तो न्यायालय अपने दण्डादेश द्वारा आदेश दे सकेगा कि अपराधी को उस कारावास के, जिसके लिये वह दण्डादिष्ट किया गया है, किसी भाग या भागों के लिये, जो कुल मिलाकर तीन मास से अधिक नहीं होंगे, निम्नलिखित मापमान के अनुसार एकांत परिरोध में रखा जाएगा, अर्थात् :-

(क) यदि कारावास की अवधि छह मास से अधिक नहीं है, तो एक मास से अनधिक समय ;

(ख) यदि कारावास की अवधि छह मास से अधिक है और एक वर्ष से अधिक नहीं है, तो दो मास से अनधिक समय ;

(ग) यदि कारावास की अवधि एक वर्ष से अधिक है, तो तीन मास से अनधिक समय।

नोट: धारा 12 में यह प्रावधान है कि "एकांत कारावास की दण्ड को क्रियान्वित करते समय, किसी भी परिस्थिति में ऐसे कारावास की अवधि एक बार में चौदह दिनों से अधिक नहीं होगी।"

30. (a)

व्याख्या:

धारा 101: हत्या।

दृष्टांत:

(ग) 'य' को तलवार या लाठी से ऐसा घाव क साशय करता है, जो प्रकृति के साधारण अनुक्रम में किसी मनुष्य की मृत्यु कारित करने के लिये पर्याप्त है। परिणामस्वरूप य की मृत्यु कारित हो जाती है, यहां 'क' हत्या का दोषी है, यद्यपि उसका आशय 'य' की मृत्यु कारित करने का न रहा हो।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

31. (a)

व्याख्या:

धारा 2: परिभाषाएँ।

Section 2: Definitions.

Section (l) provides "investigation" includes all the proceedings under this Sanhita for the collection of evidence conducted by a police officer or by any person (other than a Magistrate) who is authorised by a Magistrate in this behalf.

Hence, option (a) is the correct answer.

32. (a)

Explanation:

Section 19: Assistant Public Prosecutors.

(1) The State Government shall appoint in every district one or more Assistant Public Prosecutors for conducting prosecutions in the Courts of Magistrates.

(2) The Central Government may appoint one or more Assistant Public Prosecutors for the purpose of conducting any case or class of cases in the Courts of Magistrates.

(3) Without prejudice to provisions contained in sub-sections (1) and (2), where no Assistant Public Prosecutor is available for the purposes of any particular case, the District Magistrate may appoint any other person to be the Assistant Public Prosecutor in charge of that case after giving notice of fourteen days to the State Government:

Provided that no police officer shall be eligible to be appointed as an Assistant Public Prosecutor, if he—

(a) has taken any part in the investigation into the offence with respect to which the accused is being prosecuted; or

(b) is below the rank of Inspector

Hence, option (a) is the correct answer.

33. (a)

Explanation:

Section 23: Sentences which Magistrates may pass.

(1) The Court of a Chief Judicial Magistrate may pass any sentence authorised by law except a sentence of death or of imprisonment for life or of imprisonment for a term exceeding seven years.

Hence, option (a) is the correct answer.

34. (c)

Explanation:

Section 37: Designated police officer.

The State Government shall—

(a) establish a police control room in every district and at State level;

(b) designate a police officer in every district and in every police station, not below the rank of Assistant Sub-

धारा (ठ) में प्रावधान है कि "अन्वेषण" के अंतर्गत वे सब कार्यवाहियां हैं जो इस संहिता के अधीन किसी पुलिस अधिकारी द्वारा या किसी भी ऐसे व्यक्ति (मजिस्ट्रेट से भिन्न) द्वारा जो मजिस्ट्रेट द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया गया है, साक्ष्य एकत्र करने के लिये की जाएं।

32. (a)

व्याख्या:

धारा 19: सहायक लोक अभियोजक।

(1) राज्य सरकार, प्रत्येक जिले में मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों में अभियोजन का संचालन करने के लिये एक या अधिक सहायक लोक अभियोजक नियुक्त करेगी।

(2) केंद्रीय सरकार, मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों में किसी मामले या मामलों के वर्ग के संचालन के प्रयोजनों के लिये एक या अधिक सहायक लोक अभियोजक नियुक्त कर सकेगी।

(3) उपधारा (1) और उपधारा (2) में अंतर्विष्ट उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहां कोई सहायक लोक अभियोजक किसी विशिष्ट मामले के प्रयोजनों के लिये उपलब्ध नहीं है, वहां जिला मजिस्ट्रेट, राज्य सरकार को चौदह दिन की सूचना देने के पश्चात्, किसी अन्य व्यक्ति को उस मामले का भारसाधक सहायक लोक अभियोजक नियुक्त कर सकता है:

परंतु कोई पुलिस अधिकारी, सहायक लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त किये जाने के लिये पात्र नहीं होगा,-

(क) यदि उसने उस अपराध के अन्वेषण में कोई भाग लिया है, जिसके संबंध में अभियुक्त अभियोजित किया जा रहा है; या

(ख) यदि वह निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का है।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

33. (a)

व्याख्या:

धारा 23: वे दण्डएँ जो मजिस्ट्रेट दे सकते हैं।

(1) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय विधि द्वारा प्राधिकृत कोई भी दण्ड दे सकता है, सिवाय मृत्युदण्ड या आजीवन कारावास या सात वर्ष से अधिक की अवधि के कारावास के।

34. (c)

व्याख्या:

धारा 37: पदाभिहित पुलिस अधिकारी।

राज्य सरकार, -

(क) प्रत्येक जिला तथा राज्य स्तर पर एक पुलिस नियंत्रण कक्ष की स्थापना करेगी;

(ख) प्रत्येक जिले और प्रत्येक पुलिस थाने में किसी ऐसे पुलिस अधिकारी को, पदाभिहित करेगी, जो सहायक पुलिस उप निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का नहीं होगा, जो गिरफ्तार किये गए व्यक्तियों के नाम और पते, ऐसे अपराध की प्रकृति जिसका उस पर आरोप लगाया गया है, जो प्रत्येक पुलिस थाने में और जिला स्तर के मुख्यालयों पर किसी भी रीति में, जिसमें डिजिटल ढंग भी है, प्रमुखतया प्रदर्शित की जाएगी, के बारे में जानकारी बनाए रखने के लिये जिम्मेदार होगा।

अत: विकल्प (c) सही उत्तर है।

Inspector of Police who shall be responsible for maintaining the information about the names and addresses of the persons arrested, nature of the offence with which charged, which shall be prominently displayed in any manner including in digital mode in every police station and at the district headquarters.

Hence. Option (c) is the correct answer.

35. (b)

Explanation:

Section 87 deals with Claims and objections to attachment.

Hence. Option (b) is the correct answer.

36. (b)

Explanation:

Section 2: Definitions.

(y) "victim" means a person who has suffered any loss or injury caused by reason of the act or omission of the accused person and includes the guardian or legal heir of such victim.

Hence, option (b) is the correct answer.

37. (a)

Explanation:

Section 19: Assistant Public Prosecutors.

(1) The State Government shall appoint in every district one or more Assistant Public Prosecutors for conducting prosecutions in the Courts of Magistrates.

(2) The Central Government may appoint one or more Assistant Public Prosecutors for the purpose of conducting any case or class of cases in the Courts of Magistrates.

(3) Without prejudice to provisions contained in sub-sections (1) and (2), where no Assistant Public Prosecutor is available for the purposes of any particular case, the District Magistrate may appoint any other person to be the Assistant Public Prosecutor in charge of that case after giving notice of fourteen days to the State Government:

Provided that no police officer shall be eligible to be appointed as an Assistant Public Prosecutor, if he—

(a) has taken any part in the investigation into the offence with respect to which the accused is being prosecuted; or

(b) is below the rank of Inspector

Hence, option (a) is the correct answer.

38. (b)

Explanation:

Section 22: Sentences which High Courts and Sessions Judges may pass.

35. (b)

व्याख्या:

धारा 87 कुर्की के दावों और आपत्तियों से संबंधित है।

अत: विकल्प (b) सही उत्तर है।

36. (b)

व्याख्या:

धारा 2: परिभाषाएँ।

(म) "पीड़ित" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे अभियुक्त के कार्य या लोप के कारण कोई हानि या क्षति कारित हुई है और इसके अंतर्गत ऐसे पीड़ित का संरक्षक या विधिक वारिस भी है।

अत:, विकल्प (b) सही उत्तर है।

37. (a)

व्याख्या:

धारा 19: सहायक लोक अभियोजक।

(1) राज्य सरकार, प्रत्येक जिले में मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों में अभियोजन का संचालन करने के लिये एक या अधिक सहायक लोक अभियोजक नियुक्त करेगी।

(2) केंद्रीय सरकार, मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों में किसी मामले या मामलों के वर्ग के संचालन के प्रयोजनों के लिये एक या अधिक सहायक लोक अभियोजक नियुक्त कर सकेगी।

(3) उपधारा (1) और उपधारा (2) में अंतर्विष्ट उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहां कोई सहायक लोक अभियोजक किसी विशिष्ट मामले के प्रयोजनों के लिये उपलब्ध नहीं है, वहां जिला मजिस्ट्रेट, राज्य सरकार को चौदह दिन की सूचना देने के पश्चात्, किसी अन्य व्यक्ति को उस मामले का भारसाधक सहायक लोक अभियोजक नियुक्त कर सकता है:

परंतु कोई पुलिस अधिकारी, सहायक लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त किये जाने के लिये पात्र नहीं होगा, -

(क) यदि उसने उस अपराध के अन्वेषण में कोई भाग लिया है, जिसके संबंध में अभियुक्त अभियोजित किया जा रहा है; या

(ख) यदि वह निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का है।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

38. (b)

व्याख्या:

धारा 22: दण्डादेश, जो उच्च न्यायालय और सेशन न्यायाधीश दे सकेंगे।

(1) उच्च न्यायालय, विधि द्वारा प्राधिकृत कोई दण्डादेश दे सकेगा।

(2) सेशन न्यायाधीश या अपर सेशन न्यायाधीश, विधि द्वारा प्राधिकृत कोई भी दण्डादेश दे सकेगा; किंतु ऐसे किसी न्यायाधीश द्वारा दिया गया मृत्यु दण्डादेश, उच्च न्यायालय द्वारा अभिपुष्ट किये जाने के अध्यधीन होगा।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

(1) A High Court may pass any sentence authorised by law.

(2) A Sessions Judge or Additional Sessions Judge may pass any sentence authorised by law; but any sentence of death passed by any such Judge shall be subject to confirmation by the High Court.

Hence, option (a) is the correct answer.

39. (d)

Explanation:

Section 2: Definitions.

(z) "warrant-case" means a case relating to an offence punishable with death, imprisonment for life or imprisonment for a term exceeding two years.

Hence, option (d) is the correct answer.

40. (a)

Section 74: Warrants to whom directed.

(1) A warrant of arrest shall ordinarily be directed to one or more police officers; but the Court issuing such a warrant may, if its immediate execution is necessary and no police officer is immediately available, direct it to any other person or persons, and such person or persons shall execute the same.

(2) When a warrant is directed to more officers or persons than one, it may be executed by all, or by any one or more of them.

Hence, option (a) is the correct answer.

41. (a)

Explanation:

Judgebir Singh @ Jasbir Singh Samra v. National Investigation Agency, 2023

In this case it was held by the Supreme Court that the right to be released on default bail continues to remain enforceable if the accused has applied for such bail, notwithstanding pendency of the bail application or subsequent filing of the chargesheet or a report seeking extension of time by the prosecution before the court.

Hence, option (a) is the correct answer.

42. (b)

Explanation:

Section 417: No appeal in petty cases.

Notwithstanding anything in section 415, there shall be no appeal by a convicted person in any of the following cases, namely:

(d) where, in a case tried summarily, a Magistrate empowered to act under section 283 passes only a sentence of fine not exceeding two hundred rupees.

Hence. Option (b) is the correct answer.

39. (d)

व्याख्या:

धारा 2: परिभाषाएँ।

(य) "वारण्ट-मामला" से ऐसा मामला अभिप्रेत है जो मृत्यु, आजीवन कारावास या दो वर्ष से अधिक की अवधि के कारावास से दण्डनीय किसी अपराध से संबंधित।

अत:, विकल्प (d) सही उत्तर है।

40. (a)

धारा 74: वारण्ट किसको निदेशित होंगे ।

(1) गिरफ्तारी का वारण्ट साधारणतया एक या अधिक पुलिस अधिकारियों को निदेशित होगा; किंतु यदि ऐसे वारण्ट का तुरंत निष्पादन आवश्यक है और कोई पुलिस अधिकारी तुरंत न मिल सके तो वारण्ट जारी करने वाला न्यायालय किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को उसे निदेशित कर सकता है और ऐसा व्यक्ति या ऐसे व्यक्ति उसका निष्पादन करेंगे ।

(2) जब वारण्ट एक से अधिक अधिकारियों या व्यक्तियों को निदेशित है तब उसका निष्पादन उन सबके द्वारा या उनमें से किसी एक या अधिक के द्वारा किया जा सकेगा।

41. (a)

व्याख्या:

जजबीर सिंह @ जसबीर सिंह समरा बनाम राष्ट्रीय जांच एजेंसी, 2023

इस मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह धारित किया कि यदि अभियुक्त ने जमानत के लिये आवेदन किया है, तो जमानत पर रिहा होने का अधिकार तब भी लागू रहता है, भले ही जमानत आवेदन लंबित हो या अभियोजन पक्ष द्वारा न्यायालय में आरोप पत्र या समय विस्तार की मांग वाली रिपोर्ट दाखिल की गई हो।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

42. (b)

व्याख्या:

धारा 417: छोटे मामलों में अपील न होना ।

धारा 415 में किसी बात के होते हुए भी, दोषसिद्ध व्यक्ति द्वारा कोई अपील निम्नलिखित में से किसी मामले में नहीं होगी, अर्थात् :-

(घ) जहां संक्षेपत: विचारित किसी मामले में, धारा 283 के अधीन कार्य करने के लिये सशक्त मजिस्ट्रेट केवल दो सौ रुपए से अनधिक जुर्माने का दंडादेश पारित करता है : ।

अत: विकल्प (b) सही उत्तर है।

43. (c)

व्याख्या:

धारा 396: पीड़ित प्रतिकर स्कीम ।

43. (c)

Explanation:

Section 396: Victim compensation scheme.—

(1) Every State Government in co-ordination with the Central Government shall prepare a scheme for providing funds for the purpose of compensation to the victim or his dependents who have suffered loss or injury as a result of the crime and who require rehabilitation.

(2) Whenever a recommendation is made by the Court for compensation, the District Legal Service Authority or the State Legal Service Authority, as the case may be, shall decide the quantum of compensation to be awarded under the scheme referred to in sub-section (1).

Hence. Option (c) is the correct answer.

44. (a)

Explanation:

Section 403: Court not to alter judgment.—

Save as otherwise provided by this Sanhita or by any other law for the time being in force, no Court, when it has signed its judgment or final order disposing of a case, shall alter or review the same except to correct a clerical or arithmetical error.

Hence. Option (a) is the correct answer.

45. (a)

Explanation:

Section 280: Withdrawal of complaint

If a complainant, at any time before a final order is passed in any case under this Chapter, satisfies the Magistrate that there are sufficient grounds for permitting him to withdraw his complaint against the accused, or if there be more than one accused, against all or any of them, the Magistrate may permit him to withdraw the same, and shall thereupon acquit the accused against whom the complaint is so withdrawn.

Hence, option (a) is the answer.

46. (b)

Explanation:

Section 174: Information as to non-cognizable cases and investigation

(2) No police officer shall investigate a non-cognizable case without the order of a Magistrate having power to try such case or commit the case for trial.

Hence, option (b) is the correct answer.

47. (a)

(1) प्रत्येक राज्य सरकार केंद्रीय सरकार के सहयोग से ऐसे पीड़ित या उसके आश्रितों को, जिन्हें अपराध के परिणामस्वरूप हानि या क्षति हुई है और जिन्हें पुनर्वास की आवश्यकता है, प्रतिकर के प्रयोजन के लिये निधियां उपलब्ध कराने के लिये एक स्कीम तैयार करेगी।

(2) जब कभी न्यायालय द्वारा प्रतिकर के लिये सिफारिश की जाती है, तब, यथास्थिति, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण या राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उपधारा (1) में निर्दिष्ट स्कीम के अधीन दिये जाने वाले प्रतिकर की मात्रा का विनिश्चय करेगा।

अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

44. (a)

व्याख्या:

धारा 403: न्यायालय का अपने निर्णय में परिवर्तन न करना।

इस संहिता या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि द्वारा जैसा उपबंधित है उसके सिवाय, कोई न्यायालय जब उसने किसी मामले को निपटाने के लिये अपने निर्णय या अंतिम आदेश पर हस्ताक्षर कर दिये हैं तब लिपिकीय या गणितीय भूल को ठीक करने के सिवाय उसमें कोई परिवर्तन नहीं करेगा या उसका पुनर्विलोकन नहीं करेगा।

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

45. (a)

व्याख्या:

धारा 280: परिवाद को वापस लेना।

यदि परिवादी किसी मामले में इस अध्याय के अधीन अंतिम आदेश पारित किये जाने के पूर्व किसी समय मजिस्ट्रेट का समाधान कर देता है कि अभियुक्त के विरुद्ध, या जहां एक से अधिक अभियुक्त हैं वहां उन सब या उनमें से किसी के विरुद्ध उसका परिवाद वापस लेने की उसे अनुज्ञा देने के लिये पर्याप्त आधार है तो मजिस्ट्रेट उसे परिवाद वापस लेने की अनुज्ञा दे सकेगा और तब उस अभियुक्त को, जिसके विरुद्ध परिवाद इस प्रकार वापस लिया जाता है, दोषमुक्त कर देगा।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

46. (b)

व्याख्या: धारा 174: असंज्ञेय मामलों के बारे में सूचना और ऐसे मामलों का अन्वेषण

(2) कोई पुलिस अधिकारी किसी असंज्ञेय मामले का अन्वेषण ऐसे मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना नहीं करेगा जिसे ऐसे मामले का विचारण करने की या मामले को विचारणार्थ सुपुर्द करने की शक्ति है।

47. (a)

व्याख्या:

धारा 25: एक ही विचारण में कई अपराधों के लिये दोषसिद्ध होने के मामलों में दण्डादेश

(2) दण्डादेशों के क्रमवर्ती होने की दशा में, केवल इस कारण से कि कई अपराधों के लिये संकलित दण्ड उस दण्ड से अधिक है जो वह न्यायालय एक अपराध के लिये दोषसिद्धि पर देने के लिये सक्षम है, न्यायालय के लिये यह आवश्यक नहीं होगा कि अपराधी को उच्चतर न्यायालय के समक्ष विचारण के लिये भेजे :

परंतु-

Explanation:

Section 25: Sentence in cases of conviction of several offences at one trial

(2) In the case of consecutive sentences, it shall not be necessary for the Court by reason only of the aggregate punishment for the several offences being in excess of the punishment which it is competent to inflict on conviction of a single offence, to send the offender for trial before a higher Court:

Provided that—

(a) in no case shall such person be sentenced to imprisonment for a longer period than twenty years;

(b) the aggregate punishment shall not exceed twice the amount of punishment which the Court is competent to inflict for a single offence.

Hence, option (a) is the correct answer.

48. (a)

Explanation:

Section 36: Procedure of arrest and duties of officer making arrest

Every police officer while making an arrest shall—

(a) bear an accurate, visible and clear identification of his name which will facilitate easy identification;

(b) prepare a memorandum of arrest which shall be—

(i) attested by at least one witness, who is a member of the family of the person arrested or a respectable member of the locality where the arrest is made;

(ii) countersigned by the person arrested; and

(c) inform the person arrested, unless the memorandum is attested by a member of his family, that he has a right to have a relative or a friend or any other person named by him to be informed of his arrest.

Hence, option (a) is the correct answer.

49. (c)

Explanation:

Section 63: Form of summons

Every summons issued by a Court under this Sanhita shall be,—

(i) in writing, in duplicate, signed by the presiding officer of such Court or by such other officer as the High Court may, from time to time, by rule direct, and shall bear the seal of the Court; or

(ii) in an encrypted or any other form of electronic communication and shall bear the image of the seal of the Court or digital signature.

Hence, option (c) is the correct answer.

50. (c)

Explanation:

(क) किसी भी दशा में, ऐसा व्यक्ति बीस वर्ष से अधिक की अवधि के कारावास के लिये दण्डादिष्ट नहीं किया जाएगा ;

(ख) संकलित दण्ड, उस दण्ड की मात्रा के दुगने से अधिक नहीं होगा जिसे एक अपराध में देने के लिये वह न्यायालय सक्षम है।

48. (a)

व्याख्या:

धारा 36: गिरफ्तारी की प्रक्रिया और गिरफ्तारी करने वाले अधिकारी के कर्तव्य।

प्रत्येक पुलिस अधिकारी, गिरफ्तारी करते समय, -

(क) अपने नाम की सही, दृश्यमान और स्पष्ट पहचान धारण करेगा, जिससे उसकी आसानी से पहचान हो सके;

(ख) गिरफ्तारी का एक ज्ञापन तैयार करेगा, जो-

(i) कम से कम एक साक्षी द्वारा अनुप्रमाणित किया जाएगा, जो गिरफ्तार किये गए व्यक्ति के कुटुंब का सदस्य है या उस परिक्षेत्र का, जहां गिरफ्तारी की गई है, प्रतिष्ठित सदस्य है;

(ii) गिरफ्तार किये गए व्यक्ति द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा; और

(ग) जब तक उसके कुटुंब के किसी सदस्य द्वारा ज्ञापन को अनुप्रमाणित न कर दिया गया हो, गिरफ्तार किये गए व्यक्ति को यह सूचना देगा कि उसे यह अधिकार है कि उसके किसी नातेदार या मित्र को, जिसका वह नाम दे, उसकी गिरफ्तारी की सूचना दी जाए।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

49. (c)

व्याख्या:

धारा 63: समन का प्रारूप

न्यायालय द्वारा इस संहिता के अधीन जारी किया गया प्रत्येक समन, -

(i) लिखित रूप में और दो प्रतियों में, उस न्यायालय के पीठासीन अधिकारी द्वारा या अन्य ऐसे अधिकारी द्वारा, जिसे उच्च न्यायालय नियम द्वारा समय-समय पर निदेशित करे, हस्ताक्षरित होगा और उस पर उस न्यायालय की मुद्रा लगी होगी ; या

(ii) किसी गूढ़लेखित या इलैक्ट्रानिक संसूचना के किसी अन्य प्ररूप में होगा और जिस पर न्यायालय की मुद्रा लगी होगी या डिजिटल हस्ताक्षर होंगे।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

50. (c)

व्याख्या:

धारा 2: परिभाषाएँ

(प) "पुलिस थाना" से कोई भी चौकी या स्थान अभिप्रेत है जिसे राज्य सरकार द्वारा साधारणतया या विशेषतया पुलिस थाना घोषित किया गया है और इसके अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट कोई स्थानीय क्षेत्र भी हैं;

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

51. (d)

व्याख्या:

Section 2: Definitions

(u) "police station" means any post or place declared generally or specially by the State Government, to be a police station, and includes any local area specified by the State Government in this behalf;

Hence, option (c) is the correct answer.

51. (d)

Explanation:

Section 167: Using, as evidence, of document production of which was refused on notice

When a party refuses to produce a document which he has had notice to produce, he cannot afterwards use the document as evidence without the consent of the other party or the order of the Court.

Hence, option (d) is the correct answer

52. (a)

Explanation:

Section 160: Former statements of witness may be proved to corroborate later testimony as to same fact.

In order to corroborate the testimony of a witness, any former statement made by such witness relating to the same fact, at or about the time when the fact took place, or before any authority legally competent to investigate the fact, may be proved

Hence, option (a) is the correct answer

53. (a)

Explanation:

Section 158: Impeaching credit of witness

Illustration:

(b) A is accused of the murder of B. C says that B, when dying, declared that A had given B the wound of which he died. Evidence is offered to show that, on a previous occasion, C said that B, when dying, did not declare that A had given B the wound of which he died. The evidence is admissible.

Hence, option (a) is the correct answer

54. (c)

Explanation:

Section 128: Communications during marriage

No person who is or has been married, shall be compelled to disclose any communication made to him during marriage by any person to whom he is or has been married; nor shall he be permitted to disclose any such communication, unless the person who made it, or his representative in interest, consents, except in suits between married persons, or proceedings in which one married person is prosecuted for any crime committed

धारा 167: सूचना पाने पर जिस दस्तावेज के प्रस्तुत करने से इंकार कर दिया गया है उसको साक्ष्य के रूप में उपयोग में लाना।

जब कोई पक्षकार ऐसे किसी दस्तावेज को प्रस्तुत करने से इन्कार कर देता है, जिसे प्रस्तुत करने की उसे सूचना मिल चुकी है, तब वह तत्पश्चात् उस दस्तावेज को दूसरे पक्षकार की सम्मति के या न्यायालय के आदेश के बिना साक्ष्य के रूप में उपयोग में नहीं ला सकेगा।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

52. (a)

व्याख्या:

धारा 160: उसी तथ्य के बारे पश्चात्वर्ती अभिसाक्ष्य की संपुष्टि करने के लिये साक्षी के पूर्वतन कथन साबित किये जा सकेंगे।

किसी साक्षी के परिसाक्ष्य की सम्पुष्टि करने के लिये ऐसे साक्षी द्वारा उसी तथ्य से संबंधित, उस समय पर या उसके लगभग जब वह तथ्य घटित हुआ था, किया हुआ, या उस तथ्य का अन्वेषण करने के लिये विधि द्वारा सक्षम किसी प्राधिकारी के समक्ष किया हुआ कोई पूर्वतन कथन साबित किया जा सकेगा।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

53. (a)

व्याख्या:

धारा 158: साक्षी की विश्वसनीयता पर अधिक्षेप

दृष्टांत:

'क', 'ख' की हत्या का अभियुक्त है। 'ग' कहता है कि 'ख' ने मरते समय यह घोषित किया था कि 'क' ने 'ख' को यह घाव दिया था, जिससे वह मर गया। यह दर्शित करने के लिये साक्ष्य प्रस्थापित किया जाता है कि किसी पूर्व अवसर पर 'ग' ने कहा था कि 'ख' ने मृत्यु के समय यह घोषित नहीं किया कि 'क' ने 'ख' को वह घाव दिया था, जिससे उसकी मृत्यु हुई। यह साक्ष्य ग्राह्य है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

54. (c)

व्याख्या:

धारा 128: विवाहित स्थिति के दौरान की गई संसूचनाएं।

कोई भी व्यक्ति, जो विवाहित है या जो विवाहित रह चुका है, किसी संसूचना को, जो किसी व्यक्ति द्वारा, जिससे वह विवाहित है या रह चुका है, विवाहित स्थिति के दौरान में उसे दी गई थी, प्रकट करने के लिये विवश नहीं किया जाएगा, और न ही उसे किसी ऐसी संसूचना को प्रकट करने की अनुमति दी जाएगी, जब तक वह व्यक्ति, जिसने वह संसूचना दी है या उसका हितप्रतिनिधि सम्मत न हो, सिवाय उन वादों में, जो विवाहित व्यक्तियों के बीच हों, या उन कार्यवाहियों में, जिनमें एक विवाहित व्यक्ति दूसरे के विरुद्ध किये गए किसी अपराध के लिये अभियोजित है।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

55. (b)

व्याख्या:

धारा 120: बलात्संग के लिये कतिपय अभियोजन में सम्मति के न होने की उपधारणा।

against the other

Hence, option (c) is the correct answer.

55. (b)

Explanation:

Section 120: Presumption as to absence of consent in certain prosecution for rape.

In a prosecution for rape under sub-section (2) of section 64 of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, where sexual intercourse by the accused is proved and the question is whether it was without the consent of the woman alleged to have been raped and such woman states in her evidence before the Court that she did not consent, the Court shall presume that she did not consent.

Hence, Option (b) is the correct answer.

56. (d)

Explanation:

Section 22: Confession caused by inducement, threat, coercion or promise, when irrelevant in criminal proceeding

A confession made by an accused person is irrelevant in a criminal proceeding, if the making of the confession appears to the Court to have been caused by any inducement, threat, coercion or promise having reference to the charge against the accused person, proceeding from a person in authority and sufficient, in the opinion of the Court, to give the accused person grounds which would appear to him reasonable for supposing that by making it he would gain any advantage or avoid any evil of a temporal nature in reference to the proceedings against him

Hence, option (d) is the correct answer

57. (b)

Explanation:

Section 53: Facts admitted need not be proved

No fact needs to be proved in any proceeding which the parties thereto or their agents agree to admit at the hearing, or which, before the hearing, they agree to admit by any writing under their hands, or which by any rule of pleading in force at the time they are deemed to have admitted by their pleadings:

Provided that the Court may, in its discretion, require the facts admitted to be proved otherwise than by such admissions

Hence, option (b) is the correct answer

58. (a)

Explanation:

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 64 की उपधारा (2) के अधीन बलात्संग के लिये किसी अभियोजन में, जहां अभियुक्त द्वारा मैथुन किया जाना साबित हो जाता है और प्रश्न यह है कि क्या वह उस महिला की, जिसके बारे में यह अभिकथन किया गया है कि उससे बलात्संग किया गया है, सम्मति के बिना किया गया था और ऐसी महिला न्यायालय के समक्ष अपने साक्ष्य में यह कथन करती है कि उसने सम्मति नहीं दी थी, वहां न्यायालय यह उपधारणा करेगा कि उसने सम्मति नहीं दी थी।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

56. (d)

व्याख्या:

धारा 22: उत्प्रेरणा, धमकी, प्रपीड़न या वचन द्वारा कराई गई संस्वीकृति, दाण्डिक कार्यवाही में कब विसंगत होती है।

अभियुक्त व्यक्ति द्वारा की गई संस्वीकृति दाण्डिक कार्यवाही में विसंगत होती है, यदि उसके किये जाने के बारे में न्यायालय को प्रतीत होता है कि अभियुक्त व्यक्ति के विरुद्ध आरोप के बारे में वह ऐसी उत्प्रेरणा, धमकी, प्रपीड़न या वचन द्वारा कराई गई है जो प्राधिकारवान् व्यक्ति की ओर से दिया गया है और जो न्यायालय की राय में इसके लिये पर्याप्त है कि वह अभियुक्त व्यक्ति को यह अनुमान करने के लिये उसे युक्तियुक्त प्रतीत होने वाले आधार देती है कि उसके करने से वह अपने विरुद्ध कार्यवाहियों के बारे में लौकिक रूप का कोई फायदा उठाएगा या किसी बुराई का परिवर्जन कर लेगा।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

57. (b)

व्याख्या:

धारा 53: स्वीकृत तथ्यों को साबित करना आवश्यक नहीं है

किसी ऐसे तथ्य को किसी कार्यवाही में साबित करना आवश्यक नहीं है, जिसे उस कार्यवाही के पक्षकार या उनके अभिकर्ता सुनवाई पर स्वीकार करने के लिये सहमत हो जाते हैं, या जिसे वे सुनवाई के पूर्व किसी स्वहस्ताक्षरित लेख द्वारा स्वीकार करने के लिये सहमत हो जाते हैं या जिसके बारे में अभिवचन संबंधी किसी तत्समय प्रवृत्त नियम के अधीन यह समझ लिया जाता है कि उन्होंने उसे अपने अभिवचनों दद्वारा स्वीकार कर लिया है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

58. (a)

व्याख्या:

धारा 28: लेखा-पुस्तकों की प्रविष्टियां कब सुसंगत हैं।

कारबार के अनुक्रम में नियमित रूप से रखी गई लेखा-पुस्तकों की प्रविष्टियां, जिनके अन्तर्गत वे भी हैं जो इलैक्ट्रानिक प्ररूप में रखी गई हैं, जब कभी वे ऐसे विषय का निर्देश करती हैं जिसमें न्यायालय को जांच करनी है, सुसंगत हैं, किन्तु अकेले ऐसे कथन ही किसी व्यक्ति को दायित्व से भारित करने के लिये पर्याप्त साक्ष्य नहीं होंगे।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

59. (c)

व्याख्या:

Section 28: Entries in books of account when relevant

Entries in the books of account, including those maintained in an electronic form, regularly kept in the course of business, are relevant whenever they refer to a matter into which the Court has to inquire, but such statements shall not alone be sufficient evidence to charge any person with liability.

Hence, option (a) is the correct answer

59. (c)

Explanation:

Section 81: Presumption as to Gazettes in electronic or digital record.

The Court shall presume the genuineness of every electronic or digital record purporting to be the Official Gazette, or purporting to be electronic or digital record directed by any law to be kept by any person, if such electronic or digital record is kept substantially in the form required by law and is produced from proper custody

Hence, option (c) is the correct answer

60. (c)

Explanation:

Section 54: Proof of facts by oral evidence

All facts, except the contents of documents may be proved by oral evidence.

Hence, option (c) is the correct answer

61. (b)

Explanation:

Section 91: Presumption as to due execution, etc., of documents not produced

The Court shall presume that every document, called for and not produced after notice to produce, was attested, stamped and executed in the manner required by law.

Section 92: Presumption as to documents thirty years old

Where any document, purporting or proved to be thirty years old, is produced from any custody which the Court in the particular case considers proper, the Court may presume that the signature and every other part of such document, which purports to be in the handwriting of any particular person, is in that person's handwriting, and, in the case of a document executed or attested, that it was duly executed and attested by the persons by whom it purports to be executed and attested.

Hence, option (b) is the correct answer

62. (a)

Explanation:

Section 2: Definitions

धारा 81: इलैक्ट्रानिक या डिजिटल अभिलेख में राजपत्रों के बारे में उपधारणा।

न्यायालय, ऐसे प्रत्येक इलैक्ट्रानिक या डिजिटल अभिलेख का असली होना उपधारित करेगा, जिसका राजपत्र होना तात्पर्यित है, या जिसका ऐसा इलैक्ट्रानिक या डिजिटल अभिलेख होना तात्पर्यित है, जिसका किसी व्यक्ति द्वारा रखा जाना किसी विधि द्वारा निर्दिष्ट है, यदि ऐसा इलैक्ट्रानिक या डिजिटल अभिलेख सारतः उस रूप में रखा गया है, जो विधि द्वारा अपेक्षित है और उचित अभिरक्षा से प्रस्तुत किया गया हो।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

60. (c)

व्याख्या:

धारा 54: मौखिक साक्ष्य द्वारा तथ्यों का साबित किया जाना।

दस्तावेजों की अन्तर्वस्तु के सिवाय, सभी तथ्य मौखिक साक्ष्य द्वारा साबित किये जा सकेंगे।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

61. (b)

व्याख्या:

धारा 91: प्रस्तुत नहीं किये गए दस्तावेजों के सम्यक् निष्पादन, आदि के बारे में उपधारणा।

न्यायालय यह उपधारित करेगा कि प्रत्येक ऐसा दस्तावेज, जिसे प्रस्तुत करने की अपेक्षा की गई थी और जो प्रस्तुत करने की सूचना के पश्चात् प्रस्तुत नहीं किया गया है, विधि द्वारा अपेक्षित रीति में अनुप्रमाणित, स्टाम्पित और निष्पादित किया गया था।

धारा 92: तीस वर्ष पुराने दस्तावेजों के बारे में उपधारणा।

जहां कोई दस्तावेज, जिसका तीस वर्ष पुराना होना तात्पर्यित है या साबित किया गया है, ऐसी किसी अभिरक्षा में से, जिसे न्यायालय उस विशिष्ट मामले में उचित समझता है, प्रस्तुत किया गया है, वहां न्यायालय यह उपधारित कर सकेगा कि ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर और उसका प्रत्येक अन्य भाग, जिसका किसी विशिष्ट व्यक्ति के हस्तलेख में होना तात्पर्यित है, उस व्यक्ति के हस्तलेख में है, और निष्पादित या अनुप्रमाणित दस्तावेज होने की दशा में यह उपधारित कर सकेगा कि वह उन व्यक्तियों द्वारा सम्यक् रूप में निष्पादित और अनुप्रमाणित किया गया था, जिनके द्वारा उसका निष्पादित और अनुप्रमाणित होना तात्पर्थित है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

62. (a)

व्याख्या:

धारा 2: परिभाषाएँ

दृष्टांत (vi) ई-मेल, सर्वर लॉग, इलैक्ट्रानिक अभिलेख, कंप्यूटर, लैपटॉप या स्मार्ट फोन में दस्तावेज, मैसेज, वेबसाइट, स्थानीय साक्ष्य और डिजिटल डिवाइस में संग्रहित वॉयस मेल मैसेज दस्तावेज हैं।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

63. (b)

व्याख्या:

धारा 167: सूचना पाने पर जिस दस्तावेज के प्रस्तुत करने से इंकार कर दिया गया है उसको साक्ष्य के रूप में उपयोग में लाना।

Illustration (vi) An electronic record on emails, server logs, document on computers, laptop or smartphone, messages, websites, locational evidence and voice mail messages stored on digital devices are document.

Hence, option (a) is the correct answer

63. (b)

Explanation:

Section 167: Using, as evidence, of document production of which was refused on notice

Illustration: A sues B on an agreement and gives B notice to produce it. At the trial, A calls for the document and B refuses to produce it. A gives secondary evidence of i conten. B seeks to produce the document itself to contradict the secondary evidence given by A, or in order to show that the agreement is not stamped. He cannot do so

Hence, option (b) is the correct answer

64. (a)

Explanation:

Section 162: Refreshing memory

(2) Whenever a witness may refresh his memory by reference to any document, he may, with the permission of the Court, refer to a copy of such document Provided that the Court be satisfied that there is sufficient reason for the non-production of the original

Provided further that an expert may refresh his memory by reference to professional treatises.

Hence, option (a) is the correct answer

65. (a)

Explanation:

Section 159: Questions tending to corroborate evidence of relevant fact, admissible

Illustration: 'A', an accomplice, gives an account of a robbery in which he took part. He describes various incidents unconnected with the robbery which occurred on his way to and from the place where it was committed. Independent evidence of these fac may be given in order to corroborate his evidence as to the robbery itself.

Hence, option (a) is the correct answer

66. (a)

Explanation:

Ramkishan Mithanlal Sharma v State of Bombay, 1955

In this case Hon'ble Supreme Court held that "the statements made before police officers by witnesses at the time of identification parades are statements to police, and as such are hit by Section 162 of Code of Criminal Procedure". In view of that ruling, it is necessary that such parades are not conducted in the presence of police

दृष्टांत: 'ख' पर किसी करार के आधार पर 'क' वाद लाता है और वह 'ख' को उसे प्रस्तुत करने की सूचना देता है। विचारण में 'क' उस दस्तावेज की मांग करता है और 'ख' उसे प्रस्तुत करने से इंकार करता है। 'क' उसकी अन्तर्वस्तु का द्वितीयक साक्ष्य देता है। 'क' द्वारा दिये हुए द्वितीयक साक्ष्य का खण्डन करने के लिये या यह दर्शित करने के लिये कि वह करार स्टाम्पित नहीं है, 'ख' दस्तावेज को ही प्रस्तुत करना चाहता है। वह ऐसा नहीं कर सकता।

अत:, विकल्प (b) सही उत्तर है।

64. (a)

व्याख्या:

धारा 162: स्मृति ताज़ा करना

(2) जब कभी कोई साक्षी अपनी स्मृति किसी दस्तावेज को देखने से ताजी कर सकता है, तब वह न्यायालय की अनुज्ञा से, ऐसे दस्तावेज की प्रतिलिपि को देख सकेगा :

परन्तु यह तब जबकि न्यायालय का समाधान हो गया है कि मूल को प्रस्तुत नहीं करने का पर्याप्त कारण है :

परंतु यह और कि विशेषज्ञ अपनी स्मृति वृत्तिक पुस्तकों को देख कर ताजी कर सकेगा।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

65. (a)

व्याख्या:

धारा 159: सुसंगत तथ्य के साक्ष्य की सम्पुष्टि करने की प्रवृति रखने वाले प्रश्न ग्राह्य होंगे।

दृष्टांत: 'क' किसी सह-अपराधी को किसी लूट का वृत्तान्त देता है, जिसमें उसने भाग लिया था, वह लूट से असंबद्ध विभिन्न घटनाओं का वर्णन करता है जो उस स्थान को और जहां कि वह लूट की गई थी, जाते हुए और वहां से आते हुए मार्ग में घटित हुई थी। इन तथ्यों का स्वतंत्र साक्ष्य स्वयं उस लूट के बारे में उसके साक्ष्य को सम्पुष्ट करने के लिये दिया जा सकेगा।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

66. (a)

व्याख्या:

रामकिशन मिठनलाल शर्मा बनाम बॉम्बे राज्य, 1955

इस मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय ने धारित किया कि " पहचान परेड के दौरान साक्षियों द्वारा पुलिस अधिकारियों के समक्ष किये गए कथन पुलिस को किये गए कथन हैं, और इस प्रकार दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 162 के अंतर्गत आते हैं"। इस फैसले के मद्देनजर, यह आवश्यक है कि ऐसी परेड पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित न की जाए। इसका विकल्प यह है कि मजिस्ट्रेट की सहायता ली जाए या मामला पंच साक्षियों के हाथों में छोड़ दिया जाए।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

67. (c)

व्याख्या:

मिर्ज़ा अकबर बनाम किंग एम्परर, 1940

officers. The alternative is to take the help of the magistrate or leave the matter in the hands of panch witnesses.

Hence, option (a) is the correct answer

67. (c)

Explanation:

Mirza Akbar v. King Emperor, 1940

In this case, it was held that the word 'common design' under Section 10 of Indian Evidence Act (now it is Section 8 of BSA, 2023) signifies a common intention existing when the thing was said, done or written by the one of them. Things said, done, or written while the conspiracy was on foot are relevant as evidence of common intention, once the reasonable ground has been shown to believe its existence.

Hence, option (c) is the correct answer

68. (b)

Explanation:

Section 49: In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is irrelevant, unless evidence has been given that he has a good character, in which case it becomes relevant

Section 50: In civil cases, the fact that the character of any person is such as to affect the amount of damages which he ought to receive, is relevant.

Hence, option (b) is the correct answer

69. (b)

Explanation:

Section 114: Proof of good faith in transactions where one party is in relation of active confidence

illustration(b) The good faith of a sale by a son just come of age to a father is in question in a suit brought by the son. The burden of proving the good faith of the transaction is on the father

Hence, option (b) is the correct answer

70. (d)

Explanation:

Section 153: Procedure of Court in case of question being asked without reasonable grounds.

If the Court is of opinion that any such question was asked without reasonable grounds, it may, if it was asked by any advocate, report the circumstances of the case to the High Court or other authority to which such advocate is subject in the exercise of his profession

Hence, option (d) is the correct answer

71. (C)

Explanation:

इस मामले में यह धारित किया गया कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 10 (अब भा.सा.अधि., 2023 की धारा 8) के अंतर्गत 'साझा अभिकल्पना' शब्द का अर्थ उस साझा अभिकल्पना से है जो किसी एक व्यक्ति द्वारा कही, की या लिखी गई बात के समय मौजूद थी। षड्यंत्र के दौरान कही, की या लिखी गई बातें साझा अभिकल्पना के साक्ष्य के रूप में सुसंगत हैं, बशर्ते कि इसके अस्तित्व पर विश्वास करने का उचित आधार सिद्ध हो चुका हो।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

68. (b)

व्याख्या:

धारा 49: उत्तर में होने के सिवाय पूर्वतन बुरा शील सुसंगत नहीं है

दाण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त व्यक्ति बुरे शील का है, तब तक विसंगत है, जब तक कि इस बात का साक्ष्य न दिया गया हो कि वह अच्छे शील का है, जिस मामले में वह सुसंगत हो जाता है।

धारा 50: नुकसानी पर प्रभाव डालने वाला शील

सिविल मामलों में, यह तथ्य कि किसी व्यक्ति का शील ऐसा है जिससे नुकसानी की रकम पर, जो उसे मिलनी चाहिये, प्रभाव पड़ता है, सुसंगत है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

69. (b)

व्याख्या:

धारा 114: उन संव्यवहारों में सद्भाव का साबित किया जाना जहा एक पक्षकार का संबंध सक्रिय विश्वास का है

दृष्टांत (ख) पुत्र द्वारा, जो कि हाल ही में वयस्क हुआ है, पिता को किये गए किसी विक्रय का सद्भाव पुत्र द्वारा लाए गए वाद में प्रश्नगत है। संव्यवहार के सद्भाव को साबित करने का भार पिता पर है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

70. (d)

व्याख्या:

धारा 153: युक्तियुक्त आधारों के बिना प्रश्न पूछे जाने की दशा में न्यायालय की प्रक्रिया

यदि न्यायालय की यह राय हो कि ऐसा कोई प्रश्न युक्तियुक्त आधारों के बिना पूछा गया था, तो यदि वह किसी अधिवक्ता द्वारा पूछा गया था, तो वह मामले की परिस्थितियों की उच्च न्यायालय को या अन्य प्राधिकारी को, जिसके अधीन अधिवक्ता अपनी वृत्ति के पालन में है, रिपोर्ट कर सकेगा।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

71. (c)

व्याख्या:

भारत के संविधान के अनुच्छेद 43ख का शीर्षक है: "सहकारी समितियों को प्रोत्साहन।" इस खण्ड से संबंधित फुटनोट में निम्नलिखित संशोधन का उल्लेख है: "संविधान (97वां संशोधन) अधिनियम, 2011 द्वारा जोड़ा गया।"

Article 43B of THE CONSTITUTION OF INDIA is titled: "Promotion of co-operative societies.". Footnote 1 related to this section identifies the insertion: "Ins. by the Constitution (Ninety-seventh Amendment) Act, 2011."

Hence, option (C) is the correct option.

72. (C)

Explanation:

Article 110(3) of THE CONSTITUTION OF INDIA states: "If any question arises whether a Bill is a Money Bill or not, the decision of the Speaker of the House of the People thereon shall be final.

Hence, option (C) is the correct option.

73. (b)

Explanation:

According to Article 84(b) of the Indian Constitution, a person must be at least 25 years old to be eligible for a seat in the House of the People (Lok Sabha).

Hence, option (B) is the correct answer.

74. (b)

Explanation:

In the Indian Constitution, the part dealing with Freedom of trade and commerce within the country and between the states was taken from Australia.

Hence, option (b) is the correct answer

75. (b)

Explanation:

Article 15(4) was introduced into the Indian Constitution through the First Amendment Act, 1951; this clause allows the state to make special provisions for the advancement of socially and educationally backward classes, including Scheduled Castes (SCs) and Scheduled Tribes (STs).

Hence, option (b) is the correct answer.

76. (c)

Explanation :

Article 129 of THE CONSTITUTION OF INDIA states: "Supreme Court to be a court of record and shall have all the powers of such a court including the power to punish for contempt of itself.

Hence, option (c) is the correct option.

77. (D)

Explanation :

अतः, विकल्प (c) सही विकल्प है।

72. (c)

व्याख्या:

भारत के संविधान के अनुच्छेद 110(3) में कहा गया है: "यदि कोई प्रश्न उठता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, तो इस संबंध में लोक सभा के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।"

अतः, विकल्प (c) सही विकल्प है।

73. (b)

व्याख्या:

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 84(ख) के अनुसार, लोकसभा में सीट के लिये पात्र होने के लिये व्यक्ति की आयु कम से कम 25 वर्ष होनी चाहिये।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

74. (b)

व्याख्या:

भारतीय संविधान में, देश के भीतर और राज्यों के बीच व्यापार और वाणिज्य की स्वतंत्रता से संबंधित भाग ऑस्ट्रेलिया से लिया गया था।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

75. (b)

व्याख्या:

अनुच्छेद 15(4) को प्रथम संशोधन अधिनियम, 1951 के माध्यम से भारतीय संविधान में शामिल किया गया था; यह खण्ड राज्य को सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों, जिनमें अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) शामिल हैं, की उन्नति के लिये विशेष प्रावधान करने की अनुमति देता है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

76. (c)

व्याख्या:

भारत के संविधान का अनुच्छेद 129 कहता है: "उच्चतम न्यायालय अभिलेख न्यायालय होगा और उसको अपने अवमान के लिये दण्ड देने की शक्ति सहित ऐसे न्यायालय की सभी शक्तियां होंगी ।"

अतः, विकल्प (c) सही विकल्प है।

77. (d)

व्याख्या:

भारत के संविधान के अनुच्छेद 279(1) में कहा गया है: "...उन प्रावधानों के प्रयोजनों के लिये, किसी भी कर या शुल्क, या किसी कर या शुल्क के किसी भाग की शुद्ध आय, किसी भी क्षेत्र में या उससे संबंधित, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा निर्धारित और प्रमाणित की

Article 279(1) of THE CONSTITUTION OF INDIA states: "...for the purposes of those provisions the net proceeds of any tax or duty, or of any part of any tax or duty, in or attributable to any area shall be ascertained and certified by the Comptroller and Auditor-General of India, whose certificate shall be final."

Hence, option (D) is the correct option.

78. (B)

Explanation:

Article 213 of THE CONSTITUTION OF INDIA is titled: "Power of Governor to promulgate Ordinances during recess of Legislature."

Hence, option (B) is the correct option.

79. (d)

Explanation:

The 104th Constitutional Amendment Act of 2020 extends SCs/STs seat reservations in the Lok Sabha and State Assemblies until 2030 while abolishing the Anglo-Indian reserved seats. It also amends Article 334 to reflect these changes.

Hence, Option (d) is the correct answer.

80. (c)

Explanation:

Article 222: Transfer of a Judge from one High Court to another.

(1) The President may, after consultation with the Chief Justice of India, transfer a Judge from one High Court to any other High Court.

Hence, option (c) is the correct answer

81. (C)

Explanation:

Article 110(3) of THE CONSTITUTION OF INDIA states: "If any question arises whether a Bill is a Money Bill or not, the decision of the Speaker of the House of the People thereon shall be final.

Hence, option (C) is the correct option.

82. [D]

Explanation:

In case of Basheshar Nath v. I.T. Commissioner, 1958, the Supreme Court ruled that fundamental rights are a matter of public policy and are guaranteed to the people as a whole, not just to individuals for their private benefit. Therefore, an individual cannot voluntarily agree to give up or "waive" their fundamental rights

Hence, option (D) is the correct answer.

जाएगी, जिसका प्रमाण पत्र अंतिम होगा।"

अतः, विकल्प (d) सही विकल्प है।

78. (b)

व्याख्या:

भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 का शीर्षक है: "विधानमंडल के अवकाश के दौरान अध्यादेश जारी करने की राज्यपाल की शक्ति।"

अतः, विकल्प (b) सही विकल्प है।

79. (d)

व्याख्या:

2020 के 104वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के अधीन लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित सीटों को 2030 तक बढ़ाया गया है, जबकि एंग्लो-इंडियन आरक्षित सीटों को समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा, अनुच्छेद 334 में भी इन परिवर्तनों को शामिल करने के लिये संशोधन किया गया है।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

80. (c)

व्याख्या:

अनुच्छेद 222: एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में न्यायाधीश का स्थानांतरण।

(1) राष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करने के बाद, किसी न्यायाधीश को एक उच्च न्यायालय से किसी अन्य उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर सकता है।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

81. (c)

व्याख्या:

भारत के संविधान के अनुच्छेद 110(3) में कहा गया है: "यदि कोई प्रश्न उठता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, तो इस संबंध में लोक सभा के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।"

अतः, विकल्प (c) सही विकल्प है।

82. (d)

व्याख्या:

बशेश्वर नाथ बनाम आईटी कमिश्नर, 1958 के मामले में, उच्चतम न्यायालय ने धारित किया कि मौलिक अधिकार लोक नीति का विषय हैं और ये संपूर्ण जनमानस को गारंटीकृत हैं, न कि केवल व्यक्तियों को उनके निजी लाभ के लिये। इसलिए, कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से अपने मौलिक अधिकारों को छोड़ने या "त्यागने" के लिये सहमत नहीं हो सकता।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

83. (c)

83. [C]

Explanation:

Article 254 of the Indian Constitution deals with the concept of "repugnancy," which means a conflict between laws. If a State law contradicts a Central law on a matter listed in the Concurrent List (subjects where both the State and Central governments can legislate), then the Central law will prevail, and the State law is void to the extent of the contradiction

Hence, option (C) is the correct answer.

84. (A)

Explanation:

Statement 1 – Correct.

The removal procedure for a High Court Judge is the *same* as that for a Supreme Court Judge.

Article **217(1)(b)** refers to removal in the manner provided in **Article 124(4)**:

removal by the President on the basis of an impeachment motion passed by **both Houses of Parliament** with a special majority on grounds of *proved misbehaviour or incapacity*.

Statement 2 – Incorrect.

Article **220** provides that a retired permanent Judge of a High Court **cannot practice in the same High Court** where he served, but **may practice in the Supreme Court or in any other High Court**.

Therefore, he is **not barred from practising in all courts or authorities in India**.

Hence, option (A) is the correct answer

85. (B)

Explanation:

Under Article 71 of the Constitution of India, disputes relating to the election of the President (and the Vice-President) shall be *inquired into and decided by the Supreme Court*. The Court's decision on such disputes is final.

Hence, option (B) is the correct answer

86. (d)

Explanation:

- Sankalchand Sheth v. Union of India, 1976
- S.P. Gupta vs Union of India, 1981
- Supreme Court Advocates-On-Record v. Union of India,1993
- In re Special Reference No 1 of 1998

Hence, option (d) is the correct answer

व्याख्या:

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 254 "विरोधाभास" की अवधारणा से संबंधित है, जिसका अर्थ है विधियों के बीच टकराव। यदि कोई राज्य विधि समवर्ती सूची में सूचीबद्ध किसी विषय पर केंद्रीय विधि का खण्डन करता है (ऐसे विषय जिन पर राज्य और केंद्र दोनों सरकारें विधि बना सकती हैं), तो केंद्रीय विधि प्रभावी होगा और राज्य विधि उस खण्डन की सीमा तक अमान्य होगा।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

84. (a)

व्याख्या:

कथन 1 – सही।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया के *समान ही है।*

अनुच्छेद **217(1)(ख) अनुच्छेद 124(4)** में दिये गए तरीके से हटाने का उल्लेख करता है : **संसद के दोनों सदनों** द्वारा विशेष बहुमत से पारित महाभियोग प्रस्ताव के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा *सिद्ध दुर्व्यवहार या अक्षमता* के आधार पर हटाना।

कथन 2 - गलत।

अनुच्छेद **220** में यह प्रावधान है कि उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त स्थायी न्यायाधीश **उसी उच्च न्यायालय में वकालत नहीं कर सकता** जहाँ उसने अपनी सेवा की थी, बल्कि **वह उच्चतम न्यायालय या किसी अन्य उच्च न्यायालय में वकालत कर सकता है**।

इसलिए, उसे **भारत के सभी न्यायालयों या प्राधिकरणों में वकालत करने से प्रतिबंधित नहीं किया गया** है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

85. (b)

व्याख्या:

भारत के संविधान के अनुच्छेद 71 के अधीन, राष्ट्रपति (और उपराष्ट्रपति) के चुनाव से संबंधित विवादों *की जांच और निर्णय उच्चतम न्यायालय द्वारा किया* जाएगा। ऐसे विवादों पर न्यायालय का निर्णय अंतिम होगा।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

86. (d)

व्याख्या:

- संकल्पचंद शेठ बनाम भारत संघ, 1976
- एसपी गुप्ता बनाम भारत संघ, 1981
- सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड बनाम यूनियन ऑफ इंडिया, 1993
- विशेष संदर्भ संख्या 1 वर्ष 1998 के संबंध में

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

87. (b)

व्याख्या:

87. (b)

Explanation:

Mohammad Hidayatullah was the 11th Chief Justice of India. He had also served as the Acting President of India from 20 July 1969 to 24 August 1969 and from 6 October 1982 to 31 October 1982.

Hence, option (b) is the correct answer

88. (a)

Explanation:

Article 131: Original jurisdiction of the Supreme Court.

Subject to the provisions of this Constitution, the Supreme Court shall, to the exclusion of any other court, have original jurisdiction in any dispute—

(a) between the Government of India and one or more States; or

(b) between the Government of India and any State or States on one side and one or more other States on the other; or

(c) between two or more States, if and in so far as the dispute involves any question (whether of law or fact) on which the existence or extent of a legal right depends:

Provided that the said jurisdiction shall not extend to a dispute arising out of any treaty, agreement, covenant, engagement, sanad or other similar instrument which, having been entered into or executed before the commencement of this Constitution, continues in operation after such commencement, or which provides that the said jurisdiction shall not extend to such a dispute.

Hence, option (a) is the correct answer.

89. (a)

Explanation:

The 99th Constitutional Amendment Act, 2014 and the National Judicial Appointments Commission (NJAC) Act, 2014 were indeed intended to replace the collegium system with a new mechanism for appointing judges to the Supreme Court and High Courts in India. The NJAC was proposed as a multi-member body to oversee judicial appointments, aiming for greater transparency and accountability. However, the Supreme Court struck down both the 99th Amendment and the NJAC Act in 2015, deeming them unconstitutional.

Hence, option (a) is the correct answer

90. (c)

Explanation:

National Legal Services Authority v. Union of India (2014) is a landmark judgement of the Supreme Court of India, which declared transgender people the 'third gender', affirmed that the fundamental rights granted under the Constitution of India will be equally applicable to them, and gave them the right to self-identification of

मोहम्मद हिदायतुल्ला भारत के 11वें मुख्य न्यायाधीश थे। उन्होंने 20 जुलाई 1969 से 24 अगस्त 1969 तक और 6 अक्टूबर 1982 से 31 अक्टूबर 1982 तक भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में भी कार्य किया था।

अत:, विकल्प (b) सही उत्तर है।

88. (a)

व्याख्या:

अनुच्छेद 131: उच्चतम न्यायालय की आरंभिक अधिकारिता

इस संविधान के उपबंधों के अधीन रहते हुए,-

(क) भारत सरकार और एक या अधिक राज्यों के बीच, या

(ख) एक ओर भारत सरकार और किसी राज्य या राज्यों और दूसरी ओर एक या अधिक अन्य राज्यों के बीच, या

(ग) दो या अधिक राज्यों के बीच, किसी विवाद में, यदि और जहां तक उस विवाद में (विधि का या तथ्य का) ऐसा कोई प्रश्न अंतर्वलित है जिस पर किसी विधिक अधिकार का अस्तित्व या विस्तार निर्भर है तो और वहां तक अन्य न्यायालयों का अपवर्जन करके उच्चतम न्यायालय को आरंभिक अधिकारिता होगी :

'परन्तु उक्त अधिकारिता का विस्तार उस विवाद पर नहीं होगा जो किसी ऐसी संधि, करार, प्रसंविदा, वचनबंध, सनद या वैसी ही अन्य लिखत से उत्पन्न हुआ है जो इस संविधान के प्रारंभ से पहले की गई थी या निष्पादित की गई थी और ऐसे प्रारंभ के पश्चात् प्रवर्तन में है या जो यह उपबंध करती है कि उक्त अधिकारिता का विस्तार ऐसे विवाद पर नहीं होगा।

अत: विकल्प (a) सही उत्तर है।

89. (a)

व्याख्या:

99वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2014 और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम, 2014 का उद्देश्य वास्तव में भारत में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिये कॉलेजियम प्रणाली को एक नई व्यवस्था से बदलना था। एनजेएसी को न्यायिक नियुक्तियों की निगरानी के लिये एक बहु-सदस्यीय निकाय के रूप में प्रस्तावित किया गया था, जिसका लक्ष्य अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। यद्यपि, उच्चतम न्यायालय ने 2015 में 99वें संशोधन और एनजेएसी अधिनियम दोनों को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

90. (c)

व्याख्या:

नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (2014) भारत के उच्चतम न्यायालय का एक ऐतिहासिक फैसला है, जिसने ट्रांसजेंडर लोगों को 'तीसरा लिंग' घोषित किया, इस बात की पुष्टि की कि भारत के संविधान के अधीन प्रदत्त मौलिक अधिकार उन पर समान रूप से लागू होंगे, और उन्हें अपने लिंग की पहचान पुरुष, महिला या तीसरे लिंग के रूप में स्वयं करने का अधिकार दिया।

अत:, विकल्प (c) सही उत्तर है।

91. (d)

their gender as male, female or third gender.

Hence, option (c) is the correct answer

91. (d)

Explanation:

Section 17: Special police-officers

When it shall appear that any unlawful assembly or riot or disturbance of the peace has taken place, or may be reasonably apprehended, and that the police force ordinarily employed for preventing the peace is not sufficient for its prevention and for the protection of the inhabitants and the security of property in the place where such unlawful assembly or riot or disturbance of the peace has occurred, or is apprehended, it shall be lawful for any police-officer, not below the rank of Inspector, to apply to the nearest Magistrate, to appoint so many of the residents of the neighbourhood as such police-officer may require, to act as special police-officers for such time and within such limits as he shall deem necessary, and the Magistrate to whom such application is made shall, unless he sees cause to the contrary, comply with the application.

Hence, option (d) is the correct answer

92. (a)

Explanation:

Section 7: Appointment, dismissal, etc. of inferior officers

Subject to the provisions of article 311 of the Constitution, and to such rules as the State Government may, from time to time, make under this Act, the Inspector-General, Deputy Inspectors-General, Assistant Inspectors-General and District Superintendents of Police may at any time dismiss, suspend or reduce any police-officer of the subordinate ranks] whom they shall think remiss or negligent in the discharge of his duty, or unfit for the same; or may award anyone of the following punishments to any police-officer of the subordinate ranks] who shall discharge his duty in a careless or negligent manner, or who by any act of his own, shall render himself unfit for the discharge thereof, namely:-

(a) fine of any amount not exceeding one month's pay;
(b) confinement to quarters for a term not exceeding fifteen days with or without punishment-drill, extra guard, fatigue or other duty;
(c) deprivation of good-conduct pay;
(d) removal from any office of distinction or special emolument

Hence, option (a) is the correct answer

93. (a)

Explanation:

Inquests, Post-mortem examination and treatment of wounded persons are provided under Para 129 to 146 of

व्याख्या:

धारा 17: विशेष पुलिस अधिकारी

जब यह प्रतीत हो कि कोई विधिविरुद्ध जमाव या बलवा या शान्ति भंग हुई है या युक्तियुक्त रूप से होने की आशंका है और शान्ति के परिरक्षण के लिये सामान्यतया नियोजित पुलिस बल उस स्थान में, जहां ऐसा विधिविरुद्ध जमाव या बलवा या शान्ति भंग हुई है या होने की आशंका है, शान्ति के परिरक्षण के लिये और निवासियों के संरक्षण और सम्पत्ति की सुरक्षा के लिये पर्याप्त नहीं है तब निरीक्षक की पंक्ति से अनिम्न पंक्ति के किसी पुलिस अधिकारी के लिये यह विधिपूर्ण होगा कि वह निकटतम मजिस्ट्रेट से यह आवेदन करे कि आसपास के इतने निवासी, जितने पुलिस अधिकारी अपेक्षा करे, ऐसे समय के लिये और ऐसी सीमाओं के अन्दर जैसा कि वह आवश्यक समझे, विशेष पुलिस अधिकारियों के रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त कर दिये जाएं और जिस मजिस्ट्रेट से ऐसा आवेदन किया जाता है वह, जब तक कि इसके प्रतिकूल कारण दिखाई न पड़े आवेदन का अनुवर्तन करेगा।।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

92. (a)

व्याख्या:

धारा 7: अवर अधिकारियों की नियुक्ति और पदच्युति इत्यादि

संविधान के अनुच्छेद 311 के उपबन्धों के और ऐसे नियमों के, जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर इस अधिनियम के अधीन बनाए जाएं, अधीन रहते हुए पुलिस महानिरीक्षक, उपमहानिरीक्षकगण, सहायक महानिरीक्षकगण, और जिला अधीक्षकगण, किसी समय अधीनस्थ पंक्तियों के ऐसे किसी अधिकारी को, पदच्युत, निलम्बित या अवनत कर सकेंगे जिसे वे अपने कर्तव्य के निर्वहन में शिथिल या उपेक्षावान पाएं या जो उस पद के लिये अयोग्य समझे जाएं,

या अधीनस्थ पंक्तियों के ऐसे किसी पुलिस अधिकारी को जो अपने कर्तव्य का अनवधानता या उपेक्षापूर्ण रीति से निर्वहन करता है या जो स्वकार्येण अपने कर्तव्य के निर्वहन के लिये स्वतः को अयोग्य कर लेता है, निम्न दण्डों में से कोई एक या अधिक दे सकेगा, अर्थात् :-

(क) एक मास के वेतन से अनधिक किसी राशि का जुर्माना;

(ख) दण्ड रूप ड्रिल, अतिरिक्त पहरा, अतिश्रम या अन्य कार्य के सहित या रहित पंद्रह दिनों से अनधिक कालावधि के लिये क्वार्टर परिरोध;

(ग) सदाचरण वेतन से वंचित करना;

(घ) विशिष्ट या विशेष उपलब्धि के किसी पद से हटाना।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

93. (a)

व्याख्या:

उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमों के पैरा 129 से 146 के अधीन मृत्यु समीक्षा, मरणोत्तर शव परीक्षा और घायल व्यक्तियों के उपचार का प्रावधान है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

94. (d)

व्याख्या:

धारा 15: विक्षुब्ध या संकटपूर्ण जिलों में अतिरिक्त पुलिस रखना

U.P. Police Regulations.

Hence, option (a) is the correct answer

94. (d)

Explanation:

Section 15: Quartering of additional police in disturbed or dangerous districts

(1) It shall be lawful for the State Government, by proclamation to be notified in the Official Gazette, and in such other manner as the State Government shall direct, to declare that any area subject to its authority has been found to be in a disturbed or dangerous state, or that, from the conduct of the inhabitants of such area or of any class or section of them, it is expedient to increase the number of police.

Hence, option (d) is the correct answer

95. (a)

Explanation:

Section 1: Interpretation clause

The following words and expressions in this Act shall have the meaning assigned to them, unless there be something in the subject of context repugnant to such construction , that is to say:

the word "Police" shall include all persons who shall be enrolled under this Act;

Hence, option (a) is the correct answer

96. (c)

Explanation:

103. Responsibility of S.O. for the correct recording of all reports of crime.

The responsibility imposed on the officer-in-charge of police station by Section 154 and 155(1) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) or non-cognizable, will be enforced, and he must countersign all reports of either kind recorded.

Hence, option (c) is the correct answer

97. (d)

Explanation:

Chapter 8 of U.P. Police Regulations deals with Mounted Police

Hence, option (d) is the correct answer

98. (a)

Explanation:

58. Responsibility of Head Constable as-in-charge of Outpost

The head constable of an outpost is responsible for the orderly conduct and discipline of the constables under

(1) राज्य सरकार के लिये यह विधिपूर्ण होगा कि वह राजपत्र में अधिसूचित की जाने वाली उद्घोषणा द्वारा और ऐसी अन्य रीति में जिसे राज्य सरकार निर्दिष्ट करे, यह घोषित कर दे कि उसके प्राधिकार के अधीन कोई क्षेत्र विक्षुब्ध या संकटमय अवस्था में पाया गया है या ऐसे क्षेत्र के निवासियों या उनके किसी वर्ग या अनुभाग के आचारण से यह समीचीन हो गया है कि पुलिस की संख्या बढ़ाई जाए।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

95. (a)

व्याख्या:

धारा 1: निर्वचन खण्ड

जब तक कि कोई बात विषय या सन्दर्भ में ऐसे अर्थान्वयन के विरुद्ध न हो, इस अधिनियम में निम्नलिखित शब्दों और पदों का वही अर्थ होगा जो उन्हें दिया गया है, अर्थात् -:

"पुलिस" शब्द के अन्तर्गत वे सब व्यक्ति आते हैं जो इस अधिनियम के अधीन भर्ती किये गए हैं;

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

96. (c)

व्याख्या:

103. अपराध की सभी रिपोर्टों को सही ढंग से अभिलिखित के लिये एस.ओ. उत्तरदायी होता है।

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 154 और 155(1) द्वारा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी पर लगाए गए दायित्व को लागू किया जाएगा, और उसे दोनों प्रकार की सभी अभिलिखित रिपोर्टों पर प्रतिहस्ताक्षर करना होगा।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

97. (d)

व्याख्या:

उत्तर प्रदेश पुलिस विनियमों का अध्याय 8 घुड़सवार पुलिस से संबंधित है।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

98. (a)

व्याख्या:

58. चौकी के प्रभारी के रूप में प्रधान कांस्टेबल की उत्तरदायित्व

किसी चौकी का प्रधान कांस्टेबल अपने अधीन कांस्टेबलों के सुचारू आचरण और अनुशासन के लिये उत्तरदायी होता है। वह प्रतिदिन सूर्योदय और सूर्यास्त के समय उनका निरीक्षण करेगा; वह उन्हें ड्यूटी पर बुलाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वे अपना कार्य ठीक से करें। वह स्टेशन के प्रभारी अधिकारी के साथ निरंतर संपर्क में रहेगा, संज्ञेय अपराधों और महत्वपूर्ण घटनाओं की सूचना तुरंत उन्हें देगा, और अधीक्षक द्वारा निर्धारित अंतराल पर अपने अधीनस्थों के अनुशासन और उनके कर्तव्यों के पालन पर आवधिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। वह स्वयं जांच नहीं कर सकता, लेकिन पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष रूप से अधिकृत किये जाने पर पूछताछ कर सकता है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

his charge. He shall inspect them at daybreak and at sunset every day; he shall tell them off for duty and see that they do their work properly. He shall be in constant communication with the officer-in-charge of the station, shall immediately report to him cognizable crimes and important occurrences, and shall make at intervals fixed by the Superintendent, periodical reports on the discipline of his subordinates and the performance of their duties. He may not make investigations but may hold inquests when specifically empowered by the Superintendent of Police to do so.

Hence, option (a) is the correct answer

99. (d)

Explanation:

89. Chief duty of village chaukidar

The village chaukidar is a village servant, whose chief duty is the watch and ward of the villages in his charge. He is required to carry reports for the village headman to assist him in tracing offenders, and to make arrests as authorized by law. He is responsible to the District Magistrate for the due performance of his duties. The rules relating to village headman are in the Manual of Government Orders.

Hence, option (c) is the correct answer

100. (d)

Explanation:

Section 25: Police-officers to take charge of unclaimed property and be subject to Magistrate's orders as to disposal

It shall be the duty of every police-officer to take charge of all unclaimed property, and to furnish an inventory thereof, to the Magistrate of the district. The police-officers shall be guided as to the disposal of such property by such orders, as they shall receive from the Magistrate of the district.

Hence, option (d) is the correct answer

101. (b)

Explanation:

Sputnik 1, the world's first artificial satellite, was launched by the Soviet Union (USSR) on October 4, 1957. This event marked the beginning of the Space Age.

Hence, Option(b) is the correct answer.

102. (d)

Explanation:

A **conservative force** is one where the work done moving an object between two points is independent of the path and only relies on the start and end positions. For these forces, work done over a closed loop is zero, and

99. (d)

व्याख्या:

89. ग्राम चौकीदार का मुख्य कर्तव्य

ग्राम चौकीदार एक ग्राम सेवक होता है, जिसका मुख्य कर्तव्य अपने अधीन गांवों की निगरानी और सुरक्षा करना होता है। उसे ग्राम प्रधान के लिये रिपोर्ट ले जाना होता है ताकि वह अपराधियों का पता लगाने में उनकी सहायता कर सके और विधि द्वारा अधिकृत होने पर गिरफ्तारियां कर सके। वह अपने कर्तव्यों के उचित पालन के लिये जिला मजिस्ट्रेट के प्रति उत्तरदायी होता है। ग्राम प्रधान से संबंधित नियम सरकारी आदेशों की नियमावली में दिये गए हैं।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

100.(d)

व्याख्या:

धारा 25: पुलिस अधिकारियों को लावारिस संपत्ति का प्रभार लेने और उसके निपटान के संबंध में मजिस्ट्रेट के आदेशों के अधीन रहने का अधिकार होगा।

प्रत्येक पुलिस अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि वह सभी लावारिस संपत्तियों को अपने कब्जे में ले और उनकी सूची जिला मजिस्ट्रेट को प्रस्तुत करे। पुलिस अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट से प्राप्त आदेशों के अनुसार ऐसी संपत्तियों के निपटान का मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

101.(b)

व्याख्या:

विश्व का पहला कृत्रिम उपग्रह, स्पुतनिक 1 , सोवियत संघ (यूएसएसआर) द्वारा 4 अक्टूबर, 1957 को लॉन्च किया गया था। इस घटना ने अंतरिक्ष युग की शुरुआत को चिह्नित किया।

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

102.(d)

व्याख्या:

संरक्षी बल वह बल है जिसमें किसी वस्तु को दो बिंदुओं के बीच ले जाने में किया गया कार्य पथ से स्वतंत्र होता है और केवल आरंभ और अंत की स्थिति पर निर्भर करता है। इन बलों के लिये, एक बंद लूप पर किया गया कार्य शून्य होता है, और एक स्थितिज ऊर्जा फलन स्थापित किया जा सकता है।

घर्षण बल एक **संरक्षी बल नहीं** है क्योंकि इसके विरुद्ध किया गया कार्य पथ की लंबाई पर निर्भर करता है। घर्षण के कारण खोई हुई ऊर्जा आमतौर पर ऊष्मा और ध्वनि में परिवर्तित हो जाती है, और इसे यांत्रिक ऊर्जा के रूप में पूरी तरह से पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

103.(b)

व्याख्या:

इंसुलिन एक महत्वपूर्ण पेप्टाइड हार्मोन है जो अग्न्याशय के भीतर **लैंगरहैंस के आइलेट्स में स्थित बीटा कोशिकाओं** (β-कोशिकाओं)

a potential energy function can be established.

Frictional force is a **non-conservative force** because the work done against it is dependent on the path length. Energy lost due to friction is usually turned into heat and sound, and cannot be fully recovered as mechanical energy.

Hence, Option (d) is the correct answer.

103. (b)

Explanation:

Insulin is a vital peptide hormone produced by the **beta cells** (β-cells) located in the **islets of Langerhans** within the pancreas .

Hence, Option (b) is the correct answer.

104. (b)

Explanation:

The Richter scale is a logarithmic scale used to measure the magnitude of earthquakes based on the amplitude of seismic waves recorded by a seismograph

Hence, Option (b) is the correct answer.

105. (b)

Explanation:

Aryabhata was India's first artificial satellite, launched on April 19, 1975, marking a major milestone in the nation's space program. It was built by the Indian Space Research Organisation (ISRO) to conduct experiments in X-ray astronomy, aeronomics, and solar physics

Hence, Option (b) is the correct answer.

106. (a)

Explanation:

When Humayun ascended the throne at Agra, the Mughal Empire included Kabul and Qandhar; however there was loose control over Badakhshan (beyond the Hindukush Mountains).

Hence, Option (a) is the correct answer.

107. (d)

Explanation:

The ancient port of **Muziris** (also known as Muchiri) is known as the 'First Emporium of India'. It was hailed as such by the Roman author and philosopher Pliny the Elder in his work Natural History .

Hence, Option (d) is the correct answer.

द्वारा निर्मित होता है।

104.(b)

व्याख्या:

रिक्टर स्केल एक लघुगणकीय पैमाना है जिसका उपयोग भूकंपों की तीव्रता को मापने के लिये किया जाता है। यह भूकंपमापी यंत्र द्वारा रिकॉर्ड की गई भूकंपीय तरंगों के आयाम पर आधारित होता है।

अत:, विकल्प (b) सही उत्तर है।

105.(b)

व्याख्या:

आर्यभटा भारत का पहला कृत्रिम उपग्रह था, जिसे 19 अप्रैल 1975 को लॉन्च किया गया था, जो देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। इसका निर्माण भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) द्वारा एक्स-रे खगोल विज्ञान, वैमानिकी और सौर भौतिकी के क्षेत्र में प्रयोग करने के लिये किया गया था।

अत:, विकल्प (b) सही उत्तर है।

106.(a)

व्याख्या:

जब हुमायूं आगरा के सिंहासन पर बैठा, तो मुगल साम्राज्य में काबुल और कंधार शामिल थे; यद्यपि बदख्शान (हिंदुकुश पर्वतमाला के पार) पर उसका नियंत्रण ढीला था।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

107.(d)

व्याख्या:

मुज़िरिस (जिसे मुचिरी के नाम से भी जाना जाता है) का प्राचीन बंदरगाह ‹भारत का पहला व्यापारिक केंद्र’ कहलाता है। रोमन लेखक और दार्शनिक प्लिनी द एल्डर ने अपनी कृति ‘नेचुरल हिस्ट्री’ में इसे यही उपाधि दी थी।

अत:, विकल्प (d) सही उत्तर है।

108.(b)

व्याख्या:

ब्रिटिश सरकार ने लंदन में कई **“गोलमेज सम्मेलन» आयोजित किये।**

पहली बैठक नवंबर 1930 में आयोजित की गई थी, लेकिन भारत के सबसे प्रमुख राजनीतिक नेता की अनुपस्थिति में, इस प्रकार यह एक निरर्थक प्रयत्न साबित हुई।

गांधीजी जनवरी 1931 में जेल से रिहा हुए और अगले महीने वायसराय के साथ उनकी कई लंबी बैठकें हुईं। इन बैठकों का परिणाम **"गांधी-इरविन समझौता" के रूप में सामने आया,** जिसके अनुसार सविनय अवज्ञा आंदोलन को समाप्त कर दिया गया। **अत:, कथन (1) सही है।**

108. (b)

Explanation:

The British government convened a series of **"Round Table Conferences" in London.**

The first meeting was held in November 1930, but without the pre-eminent political leader in India, thus rendering it an exercise in futility.

Gandhiji was released from jail in January 1931 and the following month had several long meetings with the Viceroy. These culminated in what was called the **"Gandhi-Irwin Pact',** by the terms of which civil disobedience would be called off. **Hence, Statement (1) is correct.**

A second Round Table Conference was held in London in November 1931.

The Conference **in London was inconclusive, so Gandhiji returned to India and resumed civil disobedience.** The new Viceroy, **Lord Willingdon,** was deeply unsympathetic to the Indian leader. **Hence, Statement (3) is NOT correct.**

At the Second Round Table Conference, London, November 1931, **Mahatma Gandhi opposed the demand for separate electorates for "lower castes".** He believed that this would prevent their integration into mainstream society and permanently segregate them from other caste Hindus. **Hence, Statement (2) is NOT correct.**

The **Lord Willingdon** was a viceroy of India when the conference was held in London. **Hence, Statement (4) is correct.**

Hence, Option (b) is the correct answer.

109. (b)

Explanation:

The World Economic Forum (WEF) annually publishes the Global Risks Report, which identifies and analyzes the most significant risks facing the world in the short and long term

Hence, Option (b) is the correct answer.

110. (c)

Explanation:

The 2025 World Press Freedom Index placed Norway in first position. According to RSF, Norway "remains the only country in the world to enjoy a 'good' rating" and held the top spot in the 2025 index.

Hence, Option (c) is the correct answer.

111. (c)

Explanation:

Venezuelan opposition leader **María Corina Machado** received the 2025 Nobel Peace Prize for her courageous work defending democracy and human rights in Venezuela. (The prize was also shared with Edmundo González Urrutia as co-laureates.)

दूसरा गोलमेज सम्मेलन नवंबर 1931 में लंदन में आयोजित किया गया था।

लंदन में सम्मेलन **निष्फल रहा, इसलिए गांधीजी भारत लौट आए और सविनय अवज्ञा आंदोलन पुनः शुरू कर दिया।** नए वायसराय, **लॉर्ड विलिंगडन,** भारतीय नेता के प्रति घोर असहानुभूति रखते थे। **अतः, कथन (3) सही नहीं है।**

नवंबर 1931 में लंदन में आयोजित द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में **महात्मा गांधी ने "निम्न जातियों" के लिये अलग निर्वाचक मंडल की मांग का विरोध किया।** उनका मानना था कि इससे उनका मुख्यधारा समाज में एकीकरण बाधित होगा और वे अन्य जातिगत हिंदुओं से स्थायी रूप से अलग हो जाएंगे। **अतः, कथन (2) सही नहीं है।**

जब लंदन में सम्मेलन आयोजित हुआ था तब लॉर्ड विलिंगडन भारत के वायसराय थे। अतः **कथन (4) सही है।**

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

109.(b)

व्याख्या:

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) प्रतिवर्ष ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट प्रकाशित करता है, जो अल्पावधि और दीर्घावधि में विश्व के सामने आने वाले सबसे महत्वपूर्ण जोखिमों की पहचान और विश्लेषण करती है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

110.(c)

व्याख्या:

2025 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में नॉर्वे को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। आरएसएफ के अनुसार, नॉर्वे "दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसे 'अच्छी' रेटिंग प्राप्त है" और 2025 के सूचकांक में शीर्ष स्थान पर बना रहा।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

111.(c)

व्याख्या:

वेनेजुएला की विपक्षी नेता **मारिया कोरिना मचाडो को** वेनेजुएला में लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा के लिये किये गए उनके साहसिक कार्यों के लिये 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त हुआ। (यह पुरस्कार एडमंडो गोंजालेज उरुतिया के साथ संयुक्त रूप से दिया गया।)

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

112.(c)

व्याख्या:

विश्व बैंक और अन्य संस्थाओं की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी में **6.5%** की वृद्धि हुई। इससे यह पुष्टि हुई कि भारत उस वर्ष सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था थी (मजबूत घरेलू मांग के साथ)।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

113.(d)

व्याख्या:

Hence, Option(c) is the correct answer.

112. (c)

Explanation:

The World Bank and others reported that India's GDP grew by **6.5%** in FY 2024–25. This confirmed India as the fastest-growing major economy that year (with robust domestic demand).

Hence, Option (c) is the correct answer.

113. (d)

Explanation:

The best indicator of economic development of any country is **Its per capita income.** The correct option is Its **per capita income.**

Hence, option (d) is the correct answer.

114. (b)

Explanation:

An oligopoly is a market structure characterized by a small number of large firms that dominate an industry or market

Hence, option (b) is the correct answer.

115. (d)

Explanation:

All the given rivers flow into the Bay of Bengal.

- **Godavari**: Flows eastwards and drains into the Bay of Bengal.
- **Krishna**: Flows eastwards and drains into the Bay of Bengal.
- **Mahanadi**: Flows eastwards and drains into the Bay of Bengal.
- **Kaveri**: Flows eastwards and drains into the Bay of Bengal.

Hence, option (d) is the correct answer.

116. (d)

Explanation:

The **Suez Canal is an artificial sea-level waterway** running north to south across the Isthmus of Suez in Egypt, to connect the **Mediterranean Sea and the Red Sea.**

The canal separates the African continent from Asia. It is located entirely in the mainland Egypt and its Sinai Peninsula. It provides the **shortest maritime route between Europe and the lands lying around the Indian and western Pacific oceans.**

किसी भी देश के आर्थिक विकास का सबसे अच्छा सूचक **उसकी प्रति व्यक्ति आय** है। सही विकल्प है: **उसकी प्रति व्यक्ति आय**।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

114.(b)

व्याख्या:

अल्पाधिकार एक ऐसी बाजार संरचना है जिसमें कुछ बड़ी कंपनियाँ किसी उद्योग या बाजार पर अपना प्रभुत्व जमा लेती हैं।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

115.(d)

व्याख्या:

दी गई सभी नदियाँ बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

- **गोदावरी** : पूर्व दिशा की ओर बहती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- **कृष्णा नदी** : पूर्व दिशा की ओर बहती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- **महानदी** : पूर्व दिशा की ओर बहती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- **कावेरी नदी** : पूर्व दिशा की ओर बहती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

116.(d)

व्याख्या:

स्वेज नहर मिस्र में स्वेज के इस्तमुस के पार उत्तर से दक्षिण की ओर चलने वाला **एक कृत्रिम समुद्री जलमार्ग है, जो भूमध्य सागर और लाल सागर को जोड़ता है।**

यह नहर अफ्रीका महाद्वीप को एशिया से अलग करती है। यह पूरी तरह से मिस्र की मुख्य भूमि और उसके सिनाई प्रायद्वीप में स्थित है। यह **यूरोप और हिंद महासागर तथा पश्चिमी प्रशांत महासागर के आसपास स्थित देशों के बीच सबसे छोटा समुद्री मार्ग प्रदान करती है।**

यह विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री परिवहन मार्गों में से एक है, जिसके माध्यम से विश्व व्यापार का 12% से अधिक हिस्सा गुजरता है। यह पूर्व से पश्चिम की ओर तेल, प्राकृतिक गैस और अन्य माल ढुलाई के लिये एक महत्वपूर्ण कड़ी प्रदान करता है।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

117.(b)

व्याख्या:

ग्रीनविच मेरिडियन (प्रधान मध्याह्न रेखा) ब्रिटेन, फ्रांस और अल्जीरिया से होकर गुजरती है, लेकिन यह यूरोप और अफ्रीका में **स्पेन , माली, बुर्किना फासो, टोगो और घाना से भी होकर गुजरती है, और यह अंटार्कटिका से होकर जाती है, लेकिन यह पुर्तगाल से होकर नहीं गुजरती है।**

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

118.(b)

It is one of the world's most heavily used shipping lanes, carrying over 12% of world trade by volume. It provides a crucial link for oil, natural gas and cargo being shipped from East to West.

Hence, option (d) is the correct answer.

117. (b)

Explanation:

The Greenwich Meridian (Prime Meridian) does run through the UK, France, and Algeria, but it also passes through Spain, Mali, Burkina Faso, Togo, and Ghana in Europe and Africa, and it goes through Antarctica, but it doesn't go through Portugal.

Hence, option (b) is the correct answer.

118. (b)

Explanation:

Prohibition is a writ issued by a higher court to prevent a lower court or tribunal from exceeding its jurisdiction or acting contrary

Hence, option (b) is the correct answer.

119. (c)

Explanation:

The correct option is All-India services, Central services and State services

Hence, option (c) is the correct answer.

120. (b)

Explanation:

The ex-officio Chairman of the NITI Aayog was the Prime Minister of India.

Hence, option (b) is the correct answer.

121. (d)

Explanation:

In India, the Prime Minister is appointed, but appointed by the President as the leader of the majority party (or coalition) in the Lok Sabha (lower house of Parliament), not directly elected by citizens

Hence, option (d) is the correct answer.

122. (a)

Explanation:

The song "Vande Mataram" became the theme song and a powerful rallying cry of India's struggle for independence, particularly during the Swadeshi Movement (1905-1911).

व्याख्या:

प्रतिषेध, एक उच्च न्यायालय द्वारा जारी किया गया एक आदेश है जिसका उद्देश्य निचली न्यायालय या न्यायाधिकरण को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाने या उसके विरुद्ध कार्य करने से रोकना है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

119.(c)

व्याख्या:

सही विकल्प अखिल भारतीय सेवाएं, केंद्रीय सेवाएं और राज्य सेवाएं हैं।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

120.(b)

व्याख्या:

नीति आयोग के पदेन अध्यक्ष भारत के प्रधानमंत्री थे।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

121.(d)

व्याख्या:

भारत में प्रधानमंत्री की **नियुक्ति** राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, जो लोकसभा (संसद का निचला सदन) में बहुमत दल (या गठबंधन) के नेता होते हैं, न कि नागरिकों द्वारा सीधे तौर पर चुने जाते हैं।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

122.(a)

व्याख्या:

"वंदे मातरम" गीत भारत के स्वतंत्रता संग्राम का थीम सॉन्ग और एक शक्तिशाली प्रेरणादायक नारा बन गया, विशेष रूप से **स्वदेशी आंदोलन** (1905-1911) के दौरान।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

123.(b)

व्याख्या:

चंपारण आंदोलन ने बिहार में नील की खेती करने वाले उन किसानों की शिकायतों को संबोधित किया, जिन्हें दमनकारी बागान अनुबंधों में जबरन शामिल किया गया था।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

124.(b)

व्याख्या:

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंद गणराज्य में लोगों के बीच लोकप्रियता के कारण बाल गंगाधर तिलक को "लोकमान्य" की उपाधि

Hence, option (a) is the correct answer.

123. (b)

Explanation:

The Champaran movement addressed the grievances of indigo cultivators in Bihar who were forced into oppressive plantation contracts.

Hence, option (b) is the correct answer.

124. (b)

Explanation:

Bal Gangadhar Tilak was given the honorific "Lokmanya," meaning "accepted or beloved of the people," for hind mass appeal during the Indian independence movement.

Hence, option (b) is the correct answer.

125. (d)

Explanation:

Mahatma Gandhi launched the Quit India Movement in calling for immediate British withdrawal from India. It led to the mass arrests of Congress leaders and widespread civil disobedience

Hence, option (d) is the correct answer.

126. (b)

Explanation:

Goa, Telangana, Andaman and Nicobar Islands, Dadra and Nagar Haveli, Daman and Diu, Puducherry and Haryana are the states that can now boast of 100 per cent household water connections.

Hence, Option (b) is the correct answer.

127. (b)

Explanation:

As per GFRA 2025:

- India ranks 9th in total forest area globally.
- It maintains 3rd position in net annual forest area gain.
- It ranks 5th among global carbon sinks, removing around 150 Mt CO_2 per year from 2021–2025.
- The global forest area is ~4.14 billion hectares, covering ~32% of Earth's land.
- Global net forest loss reduced to 4.12 million ha annually (2015–2025) from 10.7 million ha in the 1990s.

Hence, Option (b) is the correct answer.

128. (c)

से सम्मानित किया गया था, जिसका अर्थ है "जनता द्वारा स्वीकृत या प्रिय"।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

125.(d)

व्याख्या:

महात्मा गांधी ने भारत से अंग्रेजों की तत्काल वापसी की मांग करते हुए 'भारत छोड़ो आंदोलन' शुरू किया। इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस नेताओं की बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हुईं और व्यापक सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाए गए।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

126.(b)

व्याख्या:

गोवा, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, पुडुचेरी और हरियाणा ऐसे राज्य हैं जो अब 100 प्रतिशत घरों में पानी के कनेक्शन होने का दावा कर सकते हैं।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

127.(b)

व्याख्या:

जीएफआरए 2025

के अनुसार :

- **भारत** कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व स्तर पर 9वें स्थान पर है।
- वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में यह **तीसरे स्थान पर बना हुआ है ।**
- यह **वैश्विक कार्बन सिंक में 5वें** स्थान पर है, जो 2021-2025 के दौरान **प्रति वर्ष** लगभग 150 मिलियन टन CO_2 को अवशोषित करता है ।
- वैश्विक वन क्षेत्र **लगभग 4.14 अरब हेक्टेयर** है , जो **पृथ्वी की भूमि का लगभग 32% भाग** कवर करता है ।
- वैश्विक स्तर पर वनों की शुद्ध हानि 1990 के दशक में 10.7 मिलियन हेक्टेयर से घटकर **2015-2025 के बीच सालाना 4.12 मिलियन हेक्टेयर रह गई है।**

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

128.(c)

व्याख्या:

2025 में, ऑक्सफोर्ड लैंग्वेजेज ने **"रेज बेट»** को अपना वर्ड ऑफ द ईयर चुना।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

129.(a)

व्याख्या:

Explanation:

In 2025, Oxford Languages selected **"rage bait"** as its Word of the Year

Hence, Option (c) is the correct answer.

129. (a)

Explanation:

The Shahpur Kandi Dam on the Ravi was inaugurated in Nov 2025; it generates 206 MW and irrigates thousands of hectares in Punjab and J&K.

Hence, Option (a) is the correct answer.

130. (b)

Explanation:

The word 'Satyagraha' was given by (b) Maganlal Gandhi, who coined 'Sadagraha', with Mahatma Gandhi later refining it to Satyagraha for his philosophy of nonviolent resistance, but Gandhi himself developed and popularized the concept and term in South Africa.

Hence, option (b) is the correct answer.

131. (c)

Explanation:

The 'Gadar' newspaper was published from America.

Hence, option (c) is the correct answer.

132. (c)

Explanation:

The President of the Indian National Congress on 15th August, 1947, was J.B. Kripalani. He held the presidency during the critical period of the transfer of power from British rule to Indian independence.

Hence, option (c) is the correct answer.

133. (c)

Explanation:

The second Satyagrahi of the Individual Satyagraha in 1940 was **Jawaharlal Nehru**

Hence, option (c) is the correct answer.

134. (d)

Explanation:

National Commission for Scheduled Tribes (NCST): This is a constitutional body established by the 89th Amendment Act, 2003, which inserted a new Article 338A into the Constitution of India.

रावी नदी पर बने शाहपुर कंडी बांध का उद्घाटन नवंबर 2025 में किया गया था; यह 206 मेगावाट बिजली उत्पन्न करता है और पंजाब और जम्मू-कश्मीर में हजारों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करता है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

130.(b)

व्याख्या:

'सत्याग्रह' शब्द (b) मगनलाल गांधी द्वारा दिया गया था, जिन्होंने 'सदाग्रह' शब्द गढ़ा था, जिसे महात्मा गांधी ने बाद में अहिंसक प्रतिरोध के अपने दर्शन के लिये सत्याग्रह के रूप में परिष्कृत किया, लेकिन गांधी ने स्वयं दक्षिण अफ्रीका में इस अवधारणा और शब्द को विकसित और लोकप्रिय बनाया।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

131. (c)

व्याख्या:

'गदर' अखबार अमेरिका से प्रकाशित होता था।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

132. (c)

व्याख्या:

15 अगस्त, 1947 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष **जेबी कृपलानी** थे। उन्होंने ब्रिटिश शासन से भारतीय स्वतंत्रता की ओर सत्ता हस्तांतरण के महत्वपूर्ण दौर में अध्यक्ष पद संभाला।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

133. (c)

व्याख्या:

1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह के दूसरे सत्याग्रही **जवाहरलाल नेहरू थे।**

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

134.(d)

व्याख्या:

- **राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी):** यह **89वें संशोधन अधिनियम, 2003** द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है, जिसने भारत के संविधान में एक नया अनुच्छेद 338ए जोड़ा।

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

135.(b)

व्याख्या:

संसद अनुच्छेद 16(3) के अधीन कुछ सार्वजनिक रोजगार के लिये एक शर्त के रूप में किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर निवास

Hence, option (d) is the correct answer.

135. (b)

Explanation:

The Parliament can prescribe residence within a State or UT as a condition for certain public employment under Article 16(3), which serves as an exception to the general rule of non-discrimination in public jobs (Article 16(2)), allowing for local preference in specific jobs, though this power is specific to Parliament and not State legislatures.

Hence, option (b) is the correct answer.

136. (a)

Explanation:

The **Election of the President and its manner** can be amended by a special majority of Parliament and with the consent of states.

Hence, option (a) is the correct answer.

137. (c)

Explanation:

Merit goods are commodities or services that the government deems beneficial for both individuals and society as a whole, and thus advocates for their consumption

Hence, option (c) is the correct answer.

138. (c)

Explanation:

M3 is the most commonly used indicator for broad money by central banks and policymakers (like the Reserve Bank of India) because it captures the total liquidity available for spending and investment in the banking system, including time deposits.

Hence, option (c) is the correct answer.

139. (d)

Explanation:

Narmada is the largest west flowing river of the peninsular region flowing through a rift valley between the Vindhya (north) and the Satpura Range (south). **.**

Godavari is the largest Peninsular River system and is also called the **"Dakshin Ganga"** and discharges its water into **the Bay of Bengal.**

Hence, option (d) is the correct answer.

140. (b)

निर्धारित कर सकती है, जो सार्वजनिक नौकरियों में गैर-भेदभाव के सामान्य नियम (अनुच्छेद 16(2)) के अपवाद के रूप में कार्य करता है, जिससे विशिष्ट नौकरियों में स्थानीय वरीयता की अनुमति मिलती है, हालांकि यह शक्ति संसद के लिये विशिष्ट है न कि राज्य विधानमंडलों के लिये।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

136.(a)

व्याख्या:

राष्ट्रपति के चुनाव और उसके तरीके को संसद के विशेष बहुमत और राज्यों की सहमति से संशोधित किया जा सकता है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

137.(c)

व्याख्या:

लाभकारी वस्तुएँ वे वस्तुएँ या सेवाएँ हैं जिन्हें सरकार व्यक्तियों और समाज दोनों के लिये लाभकारी मानती है और इसलिए उनके उपभोग की वकालत करती है।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

138.(c)

व्याख्या:

- **एम3** केंद्रीय बैंकों और नीति निर्माताओं (जैसे भारतीय रिजर्व बैंक) द्वारा व्यापक मुद्रा के लिये सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला संकेतक है क्योंकि यह बैंकिंग प्रणाली में खर्च और निवेश के लिये उपलब्ध कुल तरलता को दर्शाता है, जिसमें सावधि जमा भी शामिल है।

अतः, विकल्प (c) सही उत्तर है।

139.(d)

व्याख्या:

नर्मदा प्रायद्वीपीय क्षेत्र की सबसे बड़ी पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है , जो विंध्य (उत्तर) और सतपुड़ा पर्वतमाला (दक्षिण) के बीच स्थित एक दरार घाटी से होकर बहती है ।

गोदावरी प्रायद्वीपीय क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी प्रणाली है और इसे **"दक्षिण गंगा"** भी कहा जाता है , जो अपना जल **बंगाल की खाड़ी में गिराती है।**

अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है।

140.(b)

व्याख्या:

कीलिंग **वक्र 1958 से हवाई में मौना लोआ वेधशाला में मापी गई वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2)** सांद्रता में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। यह जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख संकेतक है।

Explanation:

The Keeling Curve tracks the ongoing increase in atmospheric carbon dioxide (CO_2) concentrations, measured at the Mauna Loa Observatory in Hawaii, since 1958. It is a key indicator of climate change.

Hence, option (b) is the correct answer.

141. (b)

Explanation:

- **Statement 1 is incorrect** – Alluvial soils do not cover **60%** of India's land area. They cover **about 40%**, mainly in the **Indo-Gangetic plains** and deltas.
- **Statement 2 is correct** – **Black soil**, also known as **Regur soil**, is formed from the **weathering of volcanic rocks**, especially basalt in the Deccan Plateau.
- **Statement 3 is correct** – **Red soil** forms from **crystalline igneous rocks** and is found in areas with **low rainfall** like parts of the **eastern and southern Deccan Plateau**.

Hence, option (b) is the correct answer.

142. (a)

Explanation:

The Aral Sea is a landlocked endorheic lake located in Central Asia, on the border between Kazakhstan to the north and Uzbekistan

Hence, option (a) is the correct answer.

143. (a)

Explanation:

GDP (Gross Domestic Product) is the total value of all final goods and services produced within a country's borders in a specific time period, making the first option the correct answer, as it measures final products for end-users, not intermediate inputs or just international trade.

Hence, option (a) is the correct answer.

144. (a)

Explanation:

Giffen goods are a special type of inferior good where demand increases as the price increases, which is a direct violation of the law of demand

Hence, option (a) is the correct answer.

145. (a)

Explanation:

All options are correct

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

141.(b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है – जलोढ़ मिट्टी भारत के %60** भूभाग को नहीं ढकती है। यह **लगभग 40% भूभाग को ढकती है, मुख्य रूप से भारत-गंगा के मैदानों** और डेल्टाओं में।
- **कथन 2 सही है - काली मिट्टी** , जिसे **रेगुर मिट्टी के नाम से भी जाना जाता है, ज्वालामुखीय चट्टानों** , विशेष रूप से दक्कन पठार में बेसाल्ट के अपक्षय से बनती है।
- **कथन 3 सही है - लाल मिट्टी क्रिस्टलीय आग्नेय चट्टानों** से बनती है और **पूर्वी और दक्षिणी दक्कन पठार** के कुछ हिस्सों जैसे **कम वर्षा वाले** क्षेत्रों में पाई जाती है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

142.(a)

व्याख्या:

अरल सागर मध्य एशिया में स्थित एक भू-आबद्ध जल-प्रपात झील है, जो उत्तर में **कजाकिस्तान और उज़्बेकिस्तान की सीमा पर स्थित है।**

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

143.(a)

व्याख्या:

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) किसी देश की सीमाओं के भीतर एक विशिष्ट समयावधि में उत्पादित **सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं** का कुल मूल्य है , इसलिए पहला विकल्प सही उत्तर है, क्योंकि यह अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिये अंतिम उत्पादों को मापता है, न कि मध्यवर्ती इनपुट या केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

144.(a)

व्याख्या:

गिफेन वस्तुएँ एक विशेष प्रकार की निम्न गुणवत्ता वाली वस्तुएँ हैं, जिनकी मांग कीमत बढ़ने के साथ बढ़ती है, जो मांग के नियम का प्रत्यक्ष उल्लंघन है।

अतः, विकल्प (a) सही उत्तर है।

145.(a)

व्याख्या:

सभी विकल्प सही हैं

1. **मुद्रा बाजार आरबीआई की मौद्रिक नीति के प्रभावी कार्यान्वयन में सहायक होते हैं।**
2. **मुद्रा बाजार अल्पकालिक निधियों के संबंध में मांग और आपूर्ति संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं।**

1. Money Markets help in effective implementation of the RBI's monetary policy:
2. Money markets help to maintain demand and supply equilibrium with regard to short term funds:
3. They help in maintaining liquidity in the economy: Money market instruments are highly liquid and can be quickly converte

Hence, option (a) is the correct answer.

146. (d)

Explanation:

Rajya Sabha is a continuing chamber. Hence it cannot be dissolved.

Hence, option (d) is the correct answer.

147. (d)

Explanation:

The Chief Election Commissioner (CEC) in India can only be removed by the President of India, but this removal must follow the same process as removing a Supreme Court Judge i.e. on the basis of a resolution passed to that effect by both the Houses of Parliament with special majority

Hence, option (d) is the correct answer.

148. (c)

Explanation:

The power of both adjournment (temporary suspension) and adjournment sine die (suspension for an indefinite period) in a state legislature lies with the Presiding Officer.

Hence, option (c) is the correct answer.

149. (a)

Explanation:

The newspaper Jam-e-Jamshed was published by **P.M. Motiwala.**

Hence, option (a) is the correct answer.

150. (b)

Explanation:

The Montagu-Chelmsford Reforms, enacted as the Government of India Act 1919, introduced the system of dyarchy (dual governance) in the provinces of British India

Hence, option (b) is the correct answer.

3. **वे अर्थव्यवस्था में तरलता बनाए रखने में मदद करते हैं** : मुद्रा बाजार उपकरण अत्यधिक तरल होते हैं और इन्हें जल्दी से परिवर्तित किया जा सकता है।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

146.(d)

व्याख्या:

राज्यसभा एक सतत सदन है। इसलिए इसे भंग नहीं किया जा सकता।

अत:, विकल्प (d) सही उत्तर है।

147.(d)

व्याख्या:

भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) को केवल भारत के राष्ट्रपति ही हटा सकते हैं, लेकिन यह हटाने की प्रक्रिया उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया के समान ही होनी चाहिये, यानी संसद के दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत से पारित प्रस्ताव के आधार पर।

अत:, विकल्प (d) सही उत्तर है।

148.(c)

व्याख्या:

राज्य विधानमंडल में स्थगन (अस्थायी निलंबन) और अनिश्चित काल के लिये स्थगन (अनिश्चित काल के लिये निलंबन) दोनों की शक्ति पीठासीन अधिकारी के पास होती है।

अत:, विकल्प (c) सही उत्तर है।

149.(a)

व्याख्या:

जाम-ए-जमशेद अखबार का प्रकाशन **पीएम मोतीवाला** द्वारा किया जाता था।

अत:, विकल्प (a) सही उत्तर है।

150.(b)

व्याख्या:

मॉन्टेगु-चेम्सफोर्ड सुधार, जिसे भारत सरकार अधिनियम 1919 के रूप में लागू किया गया था, ने ब्रिटिश भारत के प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली (दोहरी शासन व्यवस्था) की शुरुआत की।

अत:, विकल्प (b) सही उत्तर है।